PLANET NEWS INDIA
Follow us on:/
निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)
01

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया

हर खबर सच के साथ
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228
(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)
वर्ष : 01 | अंक : 01 | अलीगढ़, बुधवार, 9 सितंबर 2026 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 1/-रुपया | www.planetnewsindia.com

पीएम मोदी की तीन घंटे की क्लास: राज्यमंत्रियों पर सवालों की बौछार; पूछा- विकसित भारत के लिए खुद क्या किया?

प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य मंत्रियों की तीन घंटे की बैठक में एक-एक उनके काम का हिसाब मांगा और कई सवाल पूछे। आंकड़े गिनाने पर मंत्रियों को टोका और पूछा कि विकसित भारत के लिए उन्होंने व्यक्तिगत तौर पर क्या किया? बैठक को संभावित मंत्रिमंडल विस्तार से पहले अहम माना जा रहा है। सोमवार को अपने 12 साल के कार्यकाल में दूसरी बार राज्य मंत्रियों से रूबरू हुए प्रधानमंत्री बेहद सख्त शिक्षक के रूप में नजर आए। तीन घंटे की समीक्षा बैठक में मौजूद 20 राज्य मंत्रियों (3 स्वतंत्र प्रभार समेत) पर अलग-अलग सवालों की बौछार की। राज्य मंत्रियों को आंकड़े रटने की आदत से बाज आने की नसीहत दी और एक-एक कर सभी मंत्रियों से विकसित भारत के संबंध में अपने-अपने एजेंडे को सामने रखने के लिए कहा। बैठक में ग्रामीण विकास, सामाजिक न्याय और गरीब कल्याण योजनाओं पर प्रजेंटेशन के बाद प्रधानमंत्री ने एक-एक मंत्री से विकसित भारत निर्माण में व्यक्तिगत पहल की जानकारी देने केलिए कहा। इस दौरान जब मंत्रियों ने अपने मंत्रालय से जुड़े आंकड़े गिनाना शुरू किए तो पीएम ने बीच में ही उन्हें रोक दिया। उन्होंने कहा कि सचिवों द्वारा बताए आंकड़े रटने की आदत छोड़ें। मंत्री के रूप में मिले बड़े अवसर के बाद आपने विकसित भारत बनाने, देश की प्रतिष्ठा बढ़ाने और राजग को लाभ दिलाने के लिए क्या किया है?

एक मंत्री की मंत्रालय की उपलब्धियां गिनाने से रोकते हुए पीएम ने पूछा- इसको छोड़िए, मंत्री बनने के बाद आप कितने आंगनवाड़ी केंद्र में गई हैं, कितने खिलौने बांटे हैं? एक अन्य मंत्री से पूछा कि उन्होंने रेहड़ी-पटरी वालों की उत्थान से जुड़ी पीएम स्वनिधि योजना के कितने लाभार्थियों से बात की है? व्यक्तिगत रूप से कितनों को इसका लाभ दिलाया है? इसी प्रकार पीएम ने बैठक में मौजूद सभी राज्य मंत्रियों से उनके व्यक्तिगत प्रयासों की जानकारी ली।

सोशल मीडिया पर सवाल

इस दौरान पीएम ने एक-एक मंत्रियों से उनकी सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों पर उपस्थिति, यहां उनकी ओर से उठाए गए मुद्दे, योजनाओं की जानकारी देने संबंधी सवाल दागे। पीएम ने खासतौर पर गरीब कल्याण से जुड़ी योजनाओं, नीतियों, कार्यक्रमों और सरकार के बेहतर प्रयासों को सकारात्मक रूप से व्यक्तिगत स्तर और विभिन्न माध्यमों से समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने के लिए जीतोड़ प्रयास करने की नसीहत दी।

विस्तार से पहले की कवायद

पीएम जल्द ही राज्य मंत्रियों के दूसरे समूह से इसी प्रकार की समीक्षा बैठक करेंगे। इन बैठकों को जल्द संभावित मंत्रिमंडल विस्तार से पहले की कवायद के रूप में देखा जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि इन बैठकों के जरिए पीएम मंत्रियों के प्रदर्शन का आकलन कर रहे हैं। पीएम इससे पूर्व सचिवों के साथ बैठक कर केंद्रीय मंत्रियों के प्रदर्शन की भी समीक्षा कर चुके हैं।

Aligarh News: कान्हा की सुन के मैं आई, यशोदा मैया दे दो बधाई ...

श्री वार्ष्णेय मंदिर में मंगलवार शाम नंदोत्सव की धूम रही। कान्हा के जन्म की खुशी में मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से नंदगांव का स्वरूप दिया गया। नंद बाबा के घर कान्हा के जन्म की खुशियां मनाते हुए यशोदा मैया ने उपहार लुटाए। सखियों ने बधाई गीत गाकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। भजनों और बधाई गीतों पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते और नृत्य करते रहे। नंद बाबा की भूमिका अनिल वार्ष्णेय और यशोदा मैया की भूमिका विजय लक्ष्मी वार्ष्णेय ने निभाई। रोहिणी बनीं सपना वार्ष्णेय के साथ अंकुर वार्ष्णेय, दिव्यम वार्ष्णेय, खुशी वार्ष्णेय, अवनी वार्ष्णेय और श्रीनिका वार्ष्णेय ने मोतियों की मालाएं और लड्डू लुटाकर श्रद्धालुओं को निहाल कर दिया। मंदिर व्यवस्थापक राधेश्याम गुप्ता स्क्रैप वालों ने भी हाथी, घोड़ा और पालकी समेत उपहार लुटाए। तनिष्क वार्ष्णेय ने कन्हैया और वैंकटेश वार्ष्णेय ने बलराम का स्वरूप धारण कर भक्तों को दर्शन दिए।

दोनों के मनोहारी स्वरूप ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। समाजसेवी सत्यप्रकाश वार्ष्णेय, अशोक कुमार वार्ष्णेय, विनोद कुमार वार्ष्णेय, सुनील कुमार वार्ष्णेय और राहुल स्क्रैप ने अतिथियों का पटका पहनाकर स्वागत किया। मंदिर महंत पंडित मनोज मिश्रा ने बधाई गीत प्रस्तुत किए। इसके बाद भजन संध्या में आचार्य राघवजी महाराज और आचार्य गौरव के भजनों पर श्रद्धालु जमकर झूमे। गिरधर वार्ष्णेय, पूर्व मेयर शकुंतला भारती, सीमा और लक्ष्मी वार्ष्णेय ने भी बधाई गीत प्रस्तुत कर भक्तिमय माहौल को और उल्लासपूर्ण बना दिया।

Aligarh News: शाहजमाल कब्रिस्तान से मिला अज्ञात युवक का शव, हत्या की आशंका

जिले के देहलीगेट थाना क्षेत्र के शाहजमाल इलाके में हड़कंप मच गया। कब्रिस्तान के पास झाड़ियों के बीच से अज्ञात युवक का शव बरामद हुआ। मृतक के चेहरे और सिर पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं, जिससे उसकी हत्या की आशंका है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी भिजवा दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार को स्थानीय युवा शाहजमाल कब्रिस्तान के पास बात कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें झाड़ियों से दुर्गंध महसूस हुई। एक युवक ने पास जाकर देखा तो वहां एक व्यक्ति का शव पड़ा था। सूचना पर देहलीगेट थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस के मुताबिक, मृतक की उम्र करीब 30 वर्ष आंकी जा रही है। उसने नीले रंग की जींस और सफेद रंग की शर्ट पहन रखी थी। शव की हालत देखकर लगता है कि हत्या के बाद इसे यहां फेंका गया था। शव कई दिन पुराना होने के कारण सड़ने लगा है। मृतक के सिर और चेहरे पर चोट के निशान बेरहमी से पिटाई या हमले की ओर इशारा करते हैं। सीओ प्रथम संजीव कुमार के अनुसार, मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी के मामलों को खंगाल रही है। अलीगढ़ के अलावा आसपास के जिलों में भी शव की पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

18 रुपये किलो में मिलेगी चीनी, जानिए कब और कहां से ले सकेंगे?

उत्तर प्रदेश में सितंबर महीने के राशन वितरण को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। प्रदेश में 10 से 25 सितंबर तक पात्र राशन कार्डधारकों को खाद्यान्न का वितरण किया जाएगा। अंत्योदय कार्डधारकों को 35 किलो निशुल्क खाद्यान्न के साथ जुलाई, अगस्त और सितंबर के लिए कुल 3 किलो चीनी 18 रुपये प्रति किलो की दर से मिलेगी। पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को भी निर्धारित मात्रा में गेहूं, फोर्टिफाइड चावल और बाजरा दिया जाएगा। वहीं, चीनी की जमाखोरी रोकने के लिए व्यापारियों की स्टॉक सीमा 4,000 से घटाकर 2,000 क्विंटल कर दी गई है और स्टॉक 30 दिन से ज्यादा रखने पर रोक है।

Aligarh News: हवाई जहाज से बहरीन भेजा आलू, रूस से चल रही बात

आलू निर्यात करने का रास्ता धीरे-धीरे खुल रहा है। अलीगढ़ से 12 क्विंटल आलू खाड़ी के देश बहरीन भेजा गया है। रूस के व्यापारियों से निर्यात के लिए लगातार बातचीत की जा रही है। मंजूरी मिलते ही वहां भी निर्यात शुरू किया जाएगा। ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य का जलमार्ग सैन्य हमलों से प्रभावित है। इस वजह से आलू पहले अलीगढ़ से सड़क मार्ग से लखनऊ भेजा गया, वहां से अमौसी एयरपोर्ट से वाया मुंबई बहरीन भेजा गया। इसके लिए मुंबई से कनेक्टिंग फ्लाइट की कार्गो सेवा ली गई। हवाई जहाज से भेजे जाने के कारण मात्रा सीमित रखी गई। एपीडा से लाइसेंस प्राप्त एफपीओ राशि सीडस द्वारा इसका निर्यात किया गया है। इस एफपीओ के संचालक जितेंद्र अवस्थी ने बताया कि बहरीन को और आलू निर्यात करने का प्रस्ताव भी है, इसका ऑर्डर मिलने का इंतजार है। रूस से भी बातचीत चल रही है, जैसे ही वहां से मंजूरी मिलेगी, निर्यात किया जाएगा। इसके लिए किसानों से बेहतरीन किस्म का आलू एकत्र किया जा रहा है। इस निर्यात का लाभ किसानों को भी मिलेगा। उन्हें आलू का वाजिब भाव मिल सकेगा। जिला उद्यान अधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि निर्यात की सभी संभावनाओं पर गौर किया जा रहा है। अलीगढ़ आलू का हब है, यहां उच्च गुणवत्ता का आलू पैदा होता है। निर्यात शुरू होने से किसानों को कुछ राहत मिल सकेगी। जिले में 10 लाख टन आलू कोल्ड स्टोर में भंडारित था। इसमें लगभग 3.5 लाख टन की निकासी ही हो पाई है, शेष 6.5 लाख टन अब तक भंडारित है।

आगरा में बायर-सेलर मीट अब दो दिन होगी

आगरा में होने वाली बायर-सेलर मीट को अब दो दिवसीय कर दिया गया है। पहले इसका आयोजन 10 सितंबर को होना था, अब इसकी तारीख 12 और 13 सितंबर कर दी गई है। अलीगढ़ से बड़े आलू उत्पादक इस सम्मेलन में शामिल होने जाएंगे। मंडी में पंजीकृत बड़े व्यापारी भी इसमें भाग लेंगे। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि इस सम्मेलन में आलू खरीद का बड़ा ऑर्डर मिलने की उम्मीद है, ऐसा होने पर किसानों को आलू बेचने का विकल्प मिल सकेगा।

देश के इन 27 राज्यों में होगी भीषण बारिश, IMD ने जारी किया हाई अलर्ट!

देशभर के इन 27 राज्यों में भीषण बारिश का IMD ने जारी किया अलर्ट!

देशभर में मौसम का मिजाज एक बार फिर बदलता नजर आ रहा है। मानसून की विदाई की प्रक्रिया शुरू होने के बावजूद कई राज्यों में बारिश का दौर जारी है। खासकर उत्तर भारत और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में तेज बारिश के कारण नदियों का जलस्तर बढ़ा हुआ है और कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। मौसम विभाग ने 9 सितंबर 2026 के लिए कई राज्यों में बारिश और गरज-चमक की संभावना जताई है। ताजा पूर्वानुमान के मुताबिक दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और ओडिशा समेत कई राज्यों में मौसम सक्रिय रह सकता है। दिल्ली-एनसीआर की बात करें तो राजधानी में बारिश की गतिविधि में कुछ कमी आने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार 9 सितंबर को दिल्ली में आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहने की उम्मीद है, जबकि बाद के दिनों में फिर हल्की बारिश हो सकती है। हालांकि आसपास के राज्यों में बारिश का असर मौसम पर दिखाई दे सकता है। उत्तर प्रदेश और बिहार के कई हिस्सों में बारिश का सिलसिला जारी रहने का अनुमान है। दोनों राज्यों के कुछ क्षेत्रों में पहले से ही नदियों का जलस्तर बढ़ा हुआ है, ऐसे में अतिरिक्त बारिश से निचले इलाकों में परेशानी बढ़ सकती है। झारखंड, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में भी कुछ स्थानों पर बारिश और गरज-चमक की संभावना बनी हुई है। पश्चिम बंगाल में 9 सितंबर तक कई इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी भी जारी की गई है। मौसम विभाग के व्यापक पूर्वानुमान में उत्तर भारत के कई राज्यों में बारिश के साथ तेज हवाएं और गरज-चमक की संभावना जताई गई है। कुछ क्षेत्रों में हवा की गति 50 से 75 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की चेतावनी भी सामने आई है। ऐसे में खुले स्थानों पर रहने वाले लोगों और वाहन चालकों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। इस बीच, देश के कई हिस्सों में मानसून की गतिविधि धीरे-धीरे कमजोर होने की दिशा में है, लेकिन स्थानीय मौसम प्रणालियों के कारण अलग-अलग राज्यों में बारिश का दौर अभी जारी है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक आने वाले दिनों में बारिश का वितरण असमान रह सकता है। कहीं हल्की से मध्यम बारिश होगी तो कुछ इलाकों में अचानक तेज बारिश देखने को मिल सकती है। ऐसे में लोगों को स्थानीय मौसम विभाग की चेतावनियों पर नजर रखने की जरूरत है। खासकर नदी किनारे और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को जलस्तर बढ़ने की स्थिति में सतर्क रहना चाहिए। किसानों और यात्रियों के लिए भी मौसम की ताजा जानकारी लेना महत्वपूर्ण रहेगा। कुल मिलाकर 9 सितंबर को देश के कई हिस्सों में बारिश का असर बना रहने की संभावना है और मानसून की विदाई के बीच मौसम का यह बदला हुआ मिजाज लोगों की मुश्किलें बढ़ा सकता है

Aligarh News: दिवाली से पहले रेल टिकटों की दौड़ शुरू

दिवाली में अभी समय है, लेकिन घर जाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। रेल यात्रियों ने कंफर्म टिकट के लिए एडवांस बुकिंग शुरू कर दी है। 60 दिन पहले आरक्षित टिकट बुक करने की व्यवस्था के तहत यात्रियों ने यात्रा की तारीख के अनुसार टिकट कराना शुरू कर दिया है। अलीगढ़ से कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, पटना समेत कई शहरों के लिए बड़ी संख्या में यात्री सफर करते हैं। नौकरीपेशा, छात्र और कारोबारी त्योहार पर घर पहुंचने के लिए ट्रेनों का सहारा लेते हैं। ऐसे में प्रमुख ट्रेनों में कंफर्म सीट मिलना चुनौती बन जाता है। त्योहार नजदीक आने के साथ ट्रेनों में भीड़ और टिकटों की मांग बढ़ने की संभावना है। उत्तर मध्य रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि यात्री आइआरसीटीसी की वेबसाइट और मोबाइल ऐप के माध्यम से घर बैठे आरक्षित टिकट बुक कर सकते हैं।

Aligarh News: नुमाइश पर नगर निगम का 12 करोड़ का संपत्ति कर बकाया

शहर के सबसे बड़े आयोजन अलीगढ़ नुमाइश पर नगर निगम का 12 करोड़ 26 लाख रुपये से अधिक का संपत्ति कर बकाया है। लंबे समय से चल रहे इस बकाये की वसूली के लिए नगर निगम ने अब सख्ती दिखाई है। निगम के जोन-4 के कर अधीक्षक ने नुमाइश के अध्यक्ष एवं जिलाधिकारी को पत्र भेजकर एकमुश्त समाधान योजना का लाभ लेते हुए बकाया कर जमा कराने की अपील की है। नगर निगम के अनुसार, आईटीआई रोड स्थित नुमाइश परिसर पर वित्तीय वर्ष 2026-27 की चालू मांग के साथ पुराना बकाया भी शामिल है। कुल देय धनराशि 12,26,30,300 रुपये बताई गई है। इसमें चालू मांग और ब्याज की राशि भी शामिल है। निगम अधिकारियों के मुताबिक यह बकाया वर्ष 2005-06 से चला आ रहा है। नगर विकास विभाग की ओर से वर्तमान में एकमुश्त समाधान योजना संचालित की जा रही है। इसके तहत 15 नवंबर तक बकाया ब्याज में विशेष छूट का प्रावधान है। नगर निगम ने इसी का हवाला देते हुए नुमाइश प्रशासन से योजना का लाभ उठाकर बकाया संपत्ति कर जमा करने को कहा है।

नगर निगम जोन-4 के कर अधीक्षक विशाल सिंह ने बताया कि संपत्ति कर नगर निगम की आय का प्रमुख स्रोत है। इससे शहर में जलापूर्ति, सफाई, सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े विकास कार्य किए जाते हैं। ऐसे में बड़े बकायेदारों से समय पर कर की वसूली जरूरी है। उन्होंने नुमाइश प्रशासन से निर्धारित अवधि में बकाया भुगतान करने की अपील की है।

Aligarh News: सिपाही पति ने दहेज के लिए सिर फोड़ा, घर से निकाला

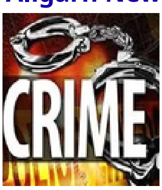

क्वार्सी थाना क्षेत्र में एक सिपाही ने दहेज की मांग पूरी न होने पर पत्नी को बेरहमी से पीटा जिससे उसका सिर फूट गया। आरोप है कि सिपाही के दो सगे भाई जो पुलिस विभाग में दीवान के पदों पर तैनात हैं, उन्होंने भी पूरा साथ दिया। पीड़िता की शिकायत पर क्वार्सी पुलिस ने आरोपी पति और दोनों भाइयों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस को दी गई तहरीर में डिफेंस कंपाउंड निवासी शिवानी यादव ने बताया कि उनका विवाह वर्ष 2020 में प्रदीप यादव के साथ हुआ था। पिता ने शादी में 25 लाख रुपये खर्च किए थे। इसके बावजूद ससुराल पक्ष के लोग संतुष्ट नहीं हुए। आरोप है कि पति और उसके घरवाले लगातार 10 लाख रुपये नकद और एक सोने की चेन की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित कर रहे थे। पीड़िता का आरोप है कि छोटी-छोटी बातों को लेकर उनके बीच आए दिन विवाद होता रहता था। इसी बीच बीते शुक्रवार को जब शिवानी ने अतिरिक्त दहेज की मांग का विरोध किया तो सिपाही पति ने उसके साथ लात-घूंसों से मारपीट की और उसे जमीन पर पटक दिया। मारपीट के बाद उसे घर से भी बाहर निकाल दिया गया। पीड़िता ने आखिरकार थाने पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी: श्रद्धालुओं से अच्छा व्यवहार, एक हजार कर्मियों को अनुशासन में रहकर सेवा देने की नसीहत

राम मंदिर के नवनियुक्त सीईओ जितेंद्र मिश्र ने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ की बैठक की। उन्होंने श्रद्धालुओं से अच्छा व्यवहार करने पर जोर दिया। साथ ही एक हजार कर्मियों को अनुशासन में रहकर सेवा देने की नसीहत भी दी गई। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के नवनियुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जितेंद्र मिश्र ने मंगलवार को राम मंदिर की व्यवस्थाओं की कमान संभालते ही अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक कर मौजूदा कार्यप्रणाली की जानकारी ली। करीब एक हजार कर्मचारियों के साथ हुई बैठक में अनुशासन, श्रद्धालुओं से बेहतर व्यवहार और सुगम दर्शन व्यवस्था को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। सीईओ ने कर्मचारियों से अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करने को कहा। मंगलवार सुबह करीब 6:30 बजे कैफियत ट्रेन से अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पहुंचे जितेंद्र मिश्र सीधे रामघाट स्थित श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष महेश भागचंदका और अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान मंदिर की मौजूदा व्यवस्थाओं और कार्यप्रणाली को समझने के साथ ही उन्होंने ट्रस्ट के एकाउंटिंग सिस्टम की भी जानकारी ली।

बैठक में मंदिर की व्यवस्थाओं में लगे कर्मचारियों की संख्या, उनके दायित्व और जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी हासिल की गई। अधिकारियों के साथ मौजूदा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए आगे की कार्यप्रणाली को लेकर भी चर्चा हुई। सीईओ ने व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाने के लिए जिम्मेदारी के अनुरूप कार्य करने पर जोर दिया। इसके बाद जितेंद्र मिश्र ने राम मंदिर में सेवा दे रहे करीब एक हजार कर्मचारियों के साथ बैठक की। इस बैठक का मुख्य फोकस मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं और सुगम दर्शन उपलब्ध कराने पर रहा। उन्होंने कर्मचारियों को अनुशासन के तहत काम करने और श्रद्धालुओं के साथ विनम्र एवं बेहतर व्यवहार रखने के निर्देश दिए।

अयोध्या से बेहतर अनुभव के साथ जाएं श्रद्धालु

सीईओ ने कर्मचारियों से कहा कि राम मंदिर आने वाला प्रत्येक श्रद्धालु बेहतर अनुभव के साथ लौटे, इसके लिए सभी को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। दर्शन व्यवस्था में लगे कर्मचारियों को श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देने और अपनी ड्यूटी का गंभीरता से पालन करने के निर्देश दिए गए।

जल्द सामने आएगी भविष्य की कार्ययोजना

बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में जितेंद्र मिश्र ने कहा कि अभी उनकी परिचयात्मक बैठकें चल रही हैं। सीईओ पद की घोषणा हुए अभी महज छह दिन हुए हैं। इसलिए उन्हें व्यवस्थाओं को समझने के लिए कुछ समय दिया जाए। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द वह मीडिया के समक्ष आएंगे और राम मंदिर से जुड़ी भविष्य की कार्ययोजना और रणनीति के बारे में विस्तार से जानकारी देंगे। ट्रस्ट की ओर से उनके आवास समेत अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी कर दी गई हैं।

अदालत : चढ़ावा चोरी के आरोपी की पेंशन खाता पर लगी रोक हटी

राम मंदिर चढ़ावा चोरी के आरोपी सुभाष श्रीवास्तव के पेंशन खाता पर पुलिस की ओर लगाई गई रोक (फ्रीज) को अदालत ने हटाए (अनफ्रीज) जाने का आदेश पारित किया है। विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम कोर्ट रजत वर्मा ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले के विवेचक की सहमति व बैंक स्टेटमेंट के आधार पर यह आदेश मंगलवार को पारित किया है।

अदालत में पांच सितंबर को मामले के विवेचक आशुतोष तिवारी की ओर से प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया, जिसमें कहा गया कि आरोपी सुभाष श्रीवास्तव के केनरा बैंक के पेंशन खाता में क्रेडिट हुई कोई संदिग्ध धनराशि नहीं पाई गई है। पेंशन खाता को अनफ्रीज किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है। अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि बैंक स्टेटमेंट के अनुसार आरोपी सुभाष के पेंशन खाता में कैश के रूप में अधिक धनराशि पिछले कुछ महीनों में क्रेडिट नहीं हुई है और न ही किसी अन्य एकाउंट से क्रेडिट होना दर्शित है।

18 जुलाई को कोर्ट में दिया था प्रार्थना पत्र

चढ़ावा चोरी के मामले में आरोपी सुभाष श्रीवास्तव ने पेंशन बैंक खाता में पुलिस की ओर से निकासी पर लगाई गई रोक को हटाए जाने की मांग का प्रार्थना पत्र कोर्ट में 18 जुलाई को प्रस्तुत किया था। थाना कोतवाली नगर के पूनम साईं कुटीर बैंकर्स लेन, अंजनी पुरम कालोनी देवकाली निवासी जिला कारागार में निरुद्ध आरोपी सुभाष श्रीवास्तव पुत्र सुंदर लाल ने अपने प्रार्थना पत्र में कहा था कि मंदिर चढ़ावा धनराशि चोरी के मामले में पुलिस ने उसके सभी बैंक खातों को जमा निकासी करने से अवरुद्ध कर दिया गया है। वह बैंक का सेवा निवृत्त कर्मचारी है। बैंक से मिलने वाली पेंशन का खाता केनरा बैंक में है जिसको भी पुलिस ने फ्रीज कर दिया है। मासिक पेंशन ही परिवार के जीवन यापन का सहारा है।

यूपी के इन लोगों के लिए अच्छी खबर: 18 रुपये किलो मिलेगी चीनी, सिर्फ इनको मिलेगी राहत; 25 सितंबर तक मौका

गौतमबुद्धनगर जिले के 7000 अंत्योदय कार्ड धारकों के लिए अच्छी खबर है। इन लोगों को 18 रुपये किलो चीनी मिलेगी। तीन माह की चीनी एक साथ मिलेगी। 25 सितंबर तक राशन वितरण चलेगा। गौतमबुद्धनगर जिले के ग्रेटर नोएडा में चीनी की बढ़ी कीमतों का असर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत होने वाले राशन वितरण पर नहीं पड़ेगा। अंत्योदय कार्ड धारकों को इस बार भी 18 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से चीनी मिलेगी। बाजार में चीनी 60 से 75 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रही है। जिले में करीब सात हजार अंत्योदय कार्ड धारकों को जुलाई, अगस्त और सितंबर की तीन माह की चीनी एक साथ दी जाएगी। प्रत्येक कार्ड पर तीन किलोग्राम चीनी का वितरण होगा। जिला पूर्ति अधिकारी निलेश उत्पल ने बताया कि जिले में 10 सितंबर से निशुल्क राशन वितरण शुरू होगा, जो 25 सितंबर तक चलेगा।

बाजरा खत्म होने पर उसके स्थान पर एक किलोग्राम अतिरिक्त चावल दिया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक चीनी की कीमतों में बाजार में भले ही बढ़ोतरी हुई हो, लेकिन राशन दुकानों पर इसके निर्धारित मूल्य में कोई बदलाव नहीं किया गया है। राशन सुबह आठ से दोपहर 12 बजे और दोपहर दो से शाम छह बजे तक ई-पॉस मशीनों के माध्यम से वितरित किया जाएगा। अंत्योदय कार्ड धारकों को इस बार मोटे अनाज के रूप में बाजरा भी दिया जाएगा। स्टॉक उपलब्ध रहने तक प्रति कार्ड 21 किलोग्राम गेहूं, 13 किलोग्राम चावल और एक किलोग्राम बाजरा मिलेगा।

यूपी: लखीमपुर खीरी में दुष्कर्म के आरोपी खलील का मकान हुआ जमींदोज, दो बुलडोजर से हुई कार्रवाई

सिंगाही थाना क्षेत्र में दुष्कर्म के आरोपी खलील का मकान बुधवार को ढहाया गया। प्रशासन ने चार वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म के बाद यह कार्रवाई की। दो बुलडोजर से मकान जमींदोज किया गया। जांच में आरोपी का मकान अवैध पाया गया था।

लखीमपुर खीरी के सिंगाही थाना क्षेत्र में चार वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी खलील के मकान पर बुधवार सुबह जिला प्रशासन ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। दो बुलडोजर से आरोपी के मकान को जमींदोज कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर भारी पुलिस बल के साथ एक बटालियन पीएसी तैनात रही। छह सितंबर को बच्ची से दुष्कर्म की घटना सामने आने के बाद प्रशासन ने आरोपी के मकान और जमीन की पैमाइश कराई थी। बुधवार को प्रशासनिक अमला कार्रवाई के लिए मौके पर पहुंचा। अधिकारियों की मौजूदगी में दो बुलडोजर से मकान को ढहा दिया गया। कार्रवाई की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। कार्रवाई के दौरान एसडीएम यदुवीर सिंह, सीओ शिवम कुमार, तहसीलदार देवेंद्र मणि त्रिपाठी और निघासन कोतवाल गोपाल नारायण सिंह मौजूद रहे। सुरक्षा के लिए सिंगाही, तिकुनियां और पढ़ुआ थानों की पुलिस तैनात की गई थी। इसके अलावा एक बटालियन पीएसी भी मौके पर रही। अधिकारियों की निगरानी में कार्रवाई पूरी कराई गई।

पुराना राजस्व आदेश भी आया था सामने

बताया गया कि सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे के मामले में वर्ष 2024 में तहसीलदार न्यायालय से आदेश पारित हुआ था। राजस्व अभिलेखों में संबंधित भूमि रास्ते के रूप में दर्ज होने की बात सामने आई थी। बच्ची से दुष्कर्म की घटना के बाद यह पुराना राजस्व आदेश सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसके बाद प्रशासन ने आरोपी के मकान और जमीन की पैमाइश कराई। बुधवार को हुई बुलडोजर कार्रवाई के बाद क्षेत्र में प्रशासन की कार्रवाई चर्चा का विषय बनी रही।

यह था मामला

सिंगाही थाना क्षेत्र के एक गांव में रविवार सुबह आरोपी खलील ने चार वर्षीय बच्ची को रुपये देने के बहाने अपने बुलाया था। आरोप है कि वह बच्ची को अपने साथ ले गया और उससे दुष्कर्म किया। घटना के बाद बच्ची खून से लथपथ हालत में घर पहुंची और मां को जानकारी दी। तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया था। सीओ शिवम कुमार के मुताबिक खलील मेडिकल परीक्षण ले जाते समय पुलिस अभिरक्षा से भाग गया था। सोमवार को बगिया मोड़ के पास मुठभेड़ में उसे दोबारा गिरफ्तार किया गया। उसके पैर में गोली लगी थी।

यूपी: पत्नी का बेरहमी से काटा गला, फिर लाश के साथ भी की हैवानियत; पति ने जिस तरह की हत्या दहल गया दिल

ललित ने बताया कि विवेक को मायका पक्ष के लोग पसंद नहीं थे। इसी वजह से वह रक्षाबंधन पर भी बहन से राखी बंधवाने नहीं आ सका। जीजा कई बार बहन को 15-15 दिन तक खाना तक नहीं देता था। इस पर एक होटल से उसके लिए खाना भेजने की व्यवस्था कर दी थी। इस बारे में पता चलने पर भी वो बहन को पीटा करता था। उधर, पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले हैं। उसके दोस्त और रिश्तेदारों के बारे में भी पता किया जा रहा है। मृतका के भाई ललित ने थाना खंदौली में तहरीर दी। इसमें पति विवेक, ससुर राजकुमार, जेठ भानू, भाभी नीतू, सास और एक अन्य व्यक्ति यश प्रधान को नामजद किया गया है। एसीपी एत्मादपुर देवेश सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

पड़ोसियों पर भड़के, बोले- क्यों नहीं सुनी आवाज

घटना की जानकारी पर आए मृतका के परिजन पड़ोसियों पर भड़क गए। उनका कहना था कि बेटी की हत्या कर दी गई। घर में आए दिन झगड़ा होता था। तब पड़ोसी भी देखा करते थे। इस बार हत्या कर दी गई। किसी ने आवाज क्यों नहीं सुनी। अगर कोई आ जाता तो बेटी की जान बच जाती। बच्चों को भी वो नहीं ले जा पाता। आरोपी को भी पकड़ा भी जा सकता था।

मकान बनवाने के लिए मांगे थे रुपये

विवेक मकान बनवाने के लिए पत्नी पर घरवालों से रुपये लाने का दबाव बनाता था। दोनों के बीच अक्सर मारपीट होती थी। किरन के पिता विजेंद्र सिंह ने कई बार ससुरालियों से बात की लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। किरन ने परेशान होकर पुलिस से शिकायत की थी। उसे नहीं पता था कि पति हत्या कर देगा।

ये है पूरी घटना

गांव पीलीपोखर में सोमवार रात प्रॉपर्टी डीलर विवेक सिकरवार ने पत्नी किरन (30) की क्रूरता से हत्या कर दी। सिर पर लोहे के पाइप से प्रहार किए। इसके बाद चाकू से गला काट दिया। जान बचाने के लिए महिला ने संघर्ष भी किया। आरोपी दो बच्चों को साथ लेकर घर से भाग गया। पुलिस की दो टीम आरोपी की तलाश में लगी हैं।

मंगलवार दोपहर तक घर से किसी के बाहर नहीं आने पर पड़ोसी पहुंचे। बरामदे में खून से लथपथ शव पड़ा देखकर पुलिस को सूचना दी। एत्मादपुर के गांव चावली निवासी किसान विजेंद्र सिंह की बेटी किरन की शादी पीलीपोखर निवासी राजकुमार सिकरवार के बेटे विवेक सिकरवार के साथ करीब आठ साल पहले हुई थी। विवेक पत्नी और दो बेटों (छह वर्षीय लक्ष्य और चार वर्षीय मुन्नू) के साथ माता-पिता से अलग मकान में रह रहा था। किरन के भाई ललित का आरोप है कि करीब एक माह पहले जीजा विवेक ने बहन किरन की पिटाई की थी। उसने खंदौली थाने में शिकायत दर्ज करा दी। इस पर विवेक घर से भाग गया। तब से बहन बच्चों के साथ ही घर में अकेले रह रही थी। सोमवार देर रात जीजा घर लौटा और हत्या कर भाग गया।

एक महीने बाद घर लौटे विवेक ने पत्नी किरन से झगड़े के बाद लोहे के पाइप से हमला किया और गला काटकर उसकी हत्या कर दी। परिजनों का आरोप है कि आरोपी ने किरन के कुंडल, बिछुए और चूड़ियां भी नोंच लिए और मकान बनवाने के लिए रुपये लाने का दबाव बनाता था। एक महीने बाद घर पहुंचा विवेक पत्नी किरन को ठिकाने लगाने की पूरी तैयार करके आया था। घर में घुसते ही झगड़ा शुरू कर दिया। पत्नी वजह समझ पाती तब तक उसने लोहे के पाइप से सिर पर ताबड़तोड़ प्रहार कर दिया। वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिरी तो विवेक ने गला काट कर हत्या कर दी। क्रूरता यहीं नहीं थमी, किरन के कान के कुंडल नोंच लिए। पैरों के बिछुए और चूड़ियां भी खींच ले गया। किरन के कानों पर कुंडल खींचने के निशान पुलिस और जुटे लोगों ने भी देखे। घटनास्थल की स्थिति देखने के बाद किरन के परिजन ने भी यही आरोप लगाए। घर में सामान और टिन शेड भी टूटा पड़ा था। इससे आशंका है कि पत्नी ने बचने का प्रयास किया लेकिन जान नहीं बचा सकी। मृतका के भाई ललित ने बताया कि किरन उनकी इकलौती बहन थी। पिता ने दो बीघा खेत बेचकर शादी की थी। करीब एक माह पहले ही किरन मायके से ससुराल गई थी।

पुलिस को आशंका है कि किरन के सिर पर पहले लोहे के पाइप से प्रहार किए गए। बाद में चाकू से गला काटा गया। मंगलवार दोपहर तीन बजे पड़ोसियों ने पुलिस को फोन किया। पुलिस ने पहुंचकर शव बरामद कर लिया। शव के पास लोहे के दो पाइप, टूटी हुई टीनशेड मिली। फील्ड यूनिट को बुलाकर जांच कराई गई।

ललित ने बताया कि विवेक को मायका पक्ष के लोग पसंद नहीं थे। इसी वजह से वह रक्षाबंधन पर भी बहन से राखी बंधवाने नहीं आ सका। जीजा कई बार बहन को 15-15 दिन तक खाना तक नहीं देता था। इस पर एक होटल से उसके लिए खाना भेजने की व्यवस्था कर दी थी। इस बारे में पता चलने पर भी वो बहन को पीटा करता था। उधर, पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले हैं। उसके दोस्त और रिश्तेदारों के बारे में भी पता किया जा रहा है। मृतका के भाई ललित ने थाना खंदौली में तहरीर दी। इसमें पति विवेक, ससुर राजकुमार, जेठ भानू, भाभी नीतू, सास और एक अन्य व्यक्ति यश प्रधान को नामजद किया गया है।

अमेरिका ने ईरान के पांच तेल टैंकर उड़ाए: जवाब में तेहरान ने जॉर्डन पर दागीं मिसाइलें; क्या फिर बढ़ेगा तनाव?

अमेरिका ने ईरानी हमलों के जवाब में मंगलवार को पांच तेल टैंकर तबाह किए। इसके बाद ईरान ने जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों की ओर मिसाइलें दागीं, जिन्हें जॉर्डन ने रोकने का दावा किया है। संघर्ष का सबसे संवेदनशील मोर्चा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बन गया है, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति और कीमतों पर असर पड़ रहा है। अमेरिका के सैन्य हमलों के साथ नए आर्थिक प्रतिबंधों ने भी ईरान पर दबाव बढ़ा दिया है। अमेरिका और ईरान के बीच छह महीने से ज्यादा समय से युद्ध चल रहा है। मंगलवार को तनाव फिर बढ़ गया। अमेरिकी सेना ने ईरान के पांच तेल टैंकरों को तबाह कर दिया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने पिछले दो दिनों में अमेरिकी नौसैनिक जहाज को दो बार बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाने की कोशिश की थी। अमेरिकी युद्धपोत दोनों हमलों से बच गया और गश्त जारी रखी। इन हमलों में कोई अमेरिकी सैनिक घायल नहीं हुआ। इसके जवाब में अमेरिका ने पांच टैंकरों को निशाना बनाया। किविक, चार्मिनार, होराइजन-1 और रिस्को टैंकर गल्फ ऑफ ओमान में थे। पांचवां जहाज डेर्या स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में खर्ग द्वीप के पास था। अमेरिका ने इन्हीं जहाजों को निशाना बनाया है।

ईरान ने अमेरिका को कैसे दिया जवाब?

अमेरिकी हमले के बाद ईरान ने भी पलटवार किया। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, उसने जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों की ओर मिसाइलें दागीं। जॉर्डन अमेरिकी सहयोगी है और वहां अमेरिकी सैनिक भी तैनात हैं। जॉर्डन की सेना ने बताया कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने 18 बैलिस्टिक मिसाइलों को हवा में ही रोक दिया। दो अन्य मिसाइलें ऐसे इलाकों में गिरीं, जहां कोई आबादी नहीं थी। जॉर्डन ने किसी के हताहत होने की सूचना नहीं दी है। वहीं, ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने कुवैत और बहरीन के पास मौजूद तेल टैंकरों को तुरंत हटने को कहा है। इतना ही नहीं, ईरान ने दोनों देशों पर अमेरिकी सेना को ठिकाने देने और हमलों में मदद करने का आरोप लगाया। आईआरजीसी ने एक बयान में कहा कि उसने अल-अजराक एयर बेस में अमेरिकी सेना के एफ-35, एफ-16 और एफ-15 लड़ाकू विमानों की मरम्मत, रखरखाव, तैयारी और तैनाती के लिए इस्तेमाल होने वाले एक हैंगर को निशाना बनाया। इसके अलावा, अमेरिकी लड़ाकू विमानों के लिए बने एक शेल्टर पर भी हमला किया गया। आईआरजीसी ने दावा किया कि इस हमले में 'दुश्मन को भारी नुकसान पहुंचाया गया।'सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जॉर्डन की सेना ने बुधवार को कहा कि उसके वायु रक्षा सिस्टम ने ईरान की ओर से दागी गई 20 में से 18 बैलिस्टिक मिसाइलों को नष्ट कर दिया। सेना के अनुसार, बाकी दो मिसाइलें सुनसान इलाकों में गिरीं और किसी तरह के जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है।

होर्मुज जलडमरूमध्य इतना अहम क्यों?

अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष का सबसे बड़ा आर्थिक मोर्चा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बन गया है। युद्ध शुरू होने से पहले दुनिया के करीब पांचवें हिस्से का तेल इसी रास्ते से गुजरता था। अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी कर रखी है। इससे ईरान के तेल निर्यात पर दबाव बढ़ा है। अमेरिका कुछ जहाजों को ओमान की तरफ से होर्मुज के रास्ते निकालने में मदद कर रहा है। वहीं ईरान चाहता है कि जहाज उसके बताए रास्ते से गुजरें।

इसका असर तेल बाजार पर कैसे पड़ा?

- मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत कुछ समय के लिए 99.46 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई।

बढ़ती ऊर्जा कीमतें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी के लिए नवंबर के मध्यावधि चुनावों से पहले राजनीतिक परेशानी बढ़ा सकती हैं।

ट्रंप सरकार ने आर्थिक दबाव क्यों बढ़ाया?

अमेरिका केवल सैन्य कार्रवाई तक सीमित नहीं है। ट्रंप प्रशासन ने मंगलवार को ईरान के विमानन क्षेत्र पर भी नए प्रतिबंध लगाए। इसमें दो दर्जन से ज्यादा वाणिज्यिक और निजी एयरलाइंस तथा विदेशी कार्गो सेवा देने वाली कंपनियां शामिल हैं। मकसद ईरान को उसके बचे हुए व्यापारिक साझेदारों से अलग-थलग करना है। इससे साफ है कि अमेरिका सैन्य कार्रवाई के साथ आर्थिक दबाव भी बढ़ा रहा है।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि ईरान के अमेरिकी नौसैनिक जहाजों पर हमलों को अनदेखा नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'ईरान अमेरिकी नौसैनिक जहाजों को निशाना बनाने की कोशिश करता रहेगा, तो हर बार उसे टैंकर गंवाने पड़ेंगे।' उन्होंने यह बात मंगलवार को कोलंबिया यात्रा के दौरान कही।

क्या टैंकरों पर हमले से भड़क सकता है युद्ध?

ईरान पहले ही कह चुका है कि वह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पास जहाजों के लिए नया 'बहिष्करण क्षेत्र' घोषित करेगा। शनिवार को भी अमेरिकी सेना ने तीन ईरानी तेल टैंकरों को तबाह किया था। अमेरिका का कहना था कि ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने एक अमेरिकी विमानवाहक पोत और विध्वंसक जहाज पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला करने की कोशिश की थी। ईरान ने जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी थी। ईरान मामलों के विशेषज्ञ डैनी सिट्रिनोविच ने चेताया कि ऐसे जवाबी हमले अमेरिका और ईरान को ऐसी स्थिति में धकेल सकते हैं, जिसे बाद में नियंत्रित करना मुश्किल होगा। उनके मुताबिक, होर्मुज की समस्या का सैन्य समाधान नहीं है और हर ऐसी कोशिश वैश्विक अर्थव्यवस्था पर और दबाव डाल सकती है।

ट्रेड वॉर में ट्रंप की नई चाल: कनाडा के डेयरी-शराब और बाइक अमेरिका में बैन, अब क्या पलटवार करेंगे कार्नी

अमेरिका और कनाडा के बीच ट्रेड वॉर लगातार गहराता जा रहा है। अमेरिका कनाडा से आने वाले डेयरी उत्पादों, ज्यादातर शराब और मोटरसाइकिलों पर रोक लगाना का एलान कर चुका है। जबकि कनाडा ने करीब 20 अरब डॉलर के अमेरिकी सामान पर जवाबी टैरिफ लगा दिए हैं। अमेरिका कनाडा से आने वाले डेयरी प्रोडक्ट्स, ज्यादातर शराब और मोटरसाइकिलों पर रोक लगाने जा रहा है। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। यह कदम दोनों देशों के बीच लगातार बढ़ते ट्रेड वॉर के बीच उठाया गया है। यह रोक तीन हफ्ते में लागू होगी। इससे पहले मंगलवार को ही कनाडा ने अमेरिका से होने वाले 20 अरब डॉलर के आयात पर जवाबी टैरिफ लगा दिए थे।

कनाडाई सामानों को सरकारी कॉन्ट्रैक्ट से बाहर रखने का फैसला

मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा के प्रोडक्ट्स को अमेरिकी सरकार के बड़े और लंबे समय वाले कॉन्ट्रैक्ट्स से बाहर रखने का फैसला किया। यह कदम कनाडा के जवाबी टैरिफ लागू करने और प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के अमेरिका पर देश की निर्भरता कम करने की कोशिशों को तेज करने के वादे के बाद उठाया गया है।

ट्रंप ने GSA को दिए निर्देश

ट्रंप ने अमेरिकी जनरल सर्विसेज एडमिनिस्ट्रेशन (GSA) को निर्देश दिया है कि वह कनाडा के प्रोडक्ट्स को सरकारी कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए अयोग्य घोषित करे। हालांकि, यह रोक तब तक जारी रहेगी जब तक कनाडा अमेरिकी प्रोडक्ट्स के लिए 'पूरी और निष्पक्ष बराबरी' की अनुमति नहीं देता।

'कनाडा को ज्यादा आत्मनिर्भर बनना होगा'

इससे पहले मंगलवार को कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि कनाडा की रणनीति अब ज्यादा स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बनने की है। उन्होंने कहा कि इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी देश हमें बंधक न बना सके और हम अपनी मर्जी से जी सकें।

यूरोपीय संघ के साथ रिश्ते मजबूत करने की तैयारी

एक कनाडाई अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि कनाडा यूरोपियन यूनियन (EU) के साथ ऐसे रिश्ते बनाने पर विचार कर रहा है, जो पूरी सदस्यता तो न हों, लेकिन उसके काफी करीब हों। इन विकल्पों में मौजूदा समझौतों का विस्तार करना, नई संधि पर बातचीत करना या सहयोग के दूसरे रास्ते तलाशना शामिल हो सकता है। अधिकारी ने कहा कि कनाडा पहले से ही प्रांतों, क्षेत्रों और लेबर ग्रुप्स से सलाह-मशविरा कर रहा है कि EU के साथ किस तरह के गहरे संबंध बनाए जा सकते हैं। हालांकि, अभी तक किसी एक मॉडल पर फैसला नहीं हुआ है।

यूरोप दौरे पर जाएंगे कार्नी

कार्नी अगले हफ्ते फ्रांस के स्ट्रासबर्ग जाने वाले हैं। वहां वह 16 सितंबर को यूरोपियन कमीशन की प्रेसिडेंट उर्सुला वॉन डेर लेयेन के 'स्टेट ऑफ द यूरोपियन यूनियन' भाषण में शामिल होंगे। इसके अगले दिन वह यूरोपियन पार्लियामेंट को भी संबोधित करेंगे।

दशकों पुराने करीबी रिश्ते में बढ़ी दरार

अमेरिका और कनाडा के बीच पैदा हुई यह दरार दुनिया के सबसे करीबी रिश्तों में से एक को पूरी तरह बदल रही है। दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाएं एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई हैं और उनके बीच रक्षा एवं सुरक्षा के भी बेहद करीबी संबंध हैं। इसके बावजूद ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान नॉर्थ अमेरिकन ट्रेड एग्रीमेंट (NAFTA) पर दोबारा बातचीत की थी और बाद में उसकी कई बार तारीफ भी की, लेकिन अब उनके प्रशासन ने कनाडाई सामानों पर कई टैरिफ लगा दिए हैं। इनमें से कई टैरिफ मौजूदा समझौते की शर्तों का उल्लंघन करते हैं।

कनाडा अब अमेरिका से आगे देख रहा है

कार्नी ने माना है कि व्यापार से जुड़े इन कदमों से कनाडा को अल्पावधि में मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। हालांकि, उनका कहना है कि इससे देश को निवेश, इंफ्रास्ट्रक्चर और व्यापार में विविधता लाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह आसान बिजनेस था, लेकिन इसका मतलब यह था कि हम एक ही आर्थिक साझेदार पर बहुत ज्यादा निर्भर थे। वह समय अब बीत चुका है।

कनाडा के 70 फीसदी से ज्यादा एक्सपोर्ट का लक्ष्य अमेरिका

कनाडा का 70 प्रतिशत से ज्यादा एक्सपोर्ट अभी भी अमेरिका को जाता है। यह आंकड़ा दिखाता है कि कार्नी के सामने व्यापार में विविधता लाने की चुनौती कितनी बड़ी है। उन्होंने कहा कि दूसरे देशों को कनाडा का एक्सपोर्ट तेजी से बढ़ रहा है और अगले दशक में इसके दोगुना होने की उम्मीद है।

ट्रंप की कार्रवाई के बाद कनाडा का जवाबी वार

ट्रंप की कार्रवाई के जवाब में कनाडा ने भी मंगलवार को जवाबी कदम उठाया। कार्नी ने इस कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि कनाडा अमेरिकी सामानों को बिना टैरिफ के अपने बाजार में आने की अनुमति नहीं दे सकता, जबकि कनाडाई कंपनियों को अमेरिका में टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है।

'टकराव नहीं चाहते, लेकिन कर्मचारियों की सुरक्षा जरूरी'

कार्नी ने कहा कि कनाडा इस टकराव को बढ़ाना नहीं चाहता था, लेकिन कनाडाई कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए जवाबी टैरिफ लगाना जरूरी था। कार्नी ने सबसे बुनियादी मुद्दा यह है कि अमेरिका की कुल मांगों से पता चला कि वे चाहते थे कि हम उन पर और ज्यादा निर्भर हों, कम नहीं। कई क्षेत्रों में वे निर्भरता चाहते थे, न कि सच्ची आर्थिक साझेदारी।"

फ्रेंच भाषा और ऑटो सेक्टर को लेकर भी मतभेद

कनाडाई प्रधानमंत्री ने कहा कि वॉशिंगटन फ्रेंच भाषा और सांस्कृतिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर सीमाएं लगाना चाहता था। इसके अलावा अमेरिका भविष्य के व्यापार समझौतों पर प्रभाव डालना चाहता था और ऐसी शर्तें भी रखना चाहता था, जिनसे ऑटो, स्टील और फॉरेस्ट्री सेक्टर कमजोर हो सकते थे।

कनाडा से आगे भी पड़ेगा ट्रेड वॉर का असर

इस ट्रेड वॉर का असर कनाडा तक सीमित नहीं रहने वाला है। इससे यह भी पता चलेगा कि क्या अमेरिका का कोई छोटा सहयोगी देश ट्रंप के आर्थिक दबाव का सामना कर सकता है या आखिरकार उसे झुकने पर मजबूर होना पड़ेगा।

20 अरब डॉलर के अमेरिकी सामान पर लगाया गया टैरिफ

कनाडा की ओर से लगाए गए इन टैरिफ का असर सैकड़ों अमेरिकी उत्पादों पर पड़ा है। इनमें स्टील, एल्युमीनियम, चीज, उपकरण, कपड़े, कॉस्मेटिक्स और खेती के उपकरण शामिल हैं। इन उत्पादों पर 15 प्रतिशत, 25 प्रतिशत या 50 प्रतिशत तक के टैरिफ लगाए गए हैं। इनमें करीब 20 अरब अमेरिकी डॉलर का सामान शामिल है। यह पिछले साल अमेरिका द्वारा कनाडा को निर्यात किए गए 333.6 अरब अमेरिकी डॉलर के सामान का लगभग 6 प्रतिशत है।

21 अगस्त के बाद बढ़ता गया तनाव

21 अगस्त को कनाडा-अमेरिका व्यापार वार्ता विफल होने के बाद से ट्रंप और उनके प्रशासन ने अतिरिक्त टैरिफ लगाए हैं। इसके साथ ही कई बार धमकियां और तीखे बयान भी सामने आए हैं। इनमें कनाडा को कमजोर और अमेरिका पर निर्भर देश के तौर पर पेश किया गया है।

51वां राज्य' बनाने की बात से कनाडा में नाराजगी

ट्रंप के ट्रेड वॉर और कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की उनकी बार-बार की टिप्पणियों ने पूरे कनाडा में गुस्सा पैदा कर दिया है। कनाडाई लोगों ने अमेरिका की यात्रा में भारी कटौती की है और अमेरिकी सामानों का बहिष्कार भी किया है। कार्नी ने इन कदमों की तारीफ करते हुए इन्हें देश के राष्ट्रीय संकल्प का संकेत बताया है।

पहले मोनालिसा, अब रेनॉयर: फ्रांसीसी म्यूजियम से बेशकीमती पेंटिंग चोरी, कब-कब चुराई गईं करोड़ों की कलाकृतियां?

फ्रेंच रिवेरा के रेनॉयर म्यूजियम में सेंध लगाकर दो बेशकीमती पेंटिंग चोरी कर ली गईं, जबकि दो अन्य पेंटिंग चोर बगीचे में छोड़ गए। यह घटना दुनिया की चर्चित कला चोरियों की याद दिलाती है। इससे पहले इटली में रेनॉयर, सेजान और मैटिस की पेंटिंग से लेकर लूव्र के शाही गहनों की चोरी सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। फ्रांस के कैग्नेस-सुर-मेर शहर के मेयर ने मंगलवार को बताया कि चोरों ने फ्रेंच रिवेरा स्थित रेनॉयर म्यूजियम में सेंध लगाकर फ्रांसीसी इंप्रेशनिस्ट मास्टर ऑगस्टे रेनॉयर की चार कीमती कलाकृतियां चुरा लीं। हालांकि, भागते समय चोर दो पेंटिंग म्यूजियम के बगीचे में ही छोड़ गए। म्यूजियम में रेनॉयर की कुल 12 कलाकृतियां थीं। चोरी हुईं दो पेंटिंग हैं ‘पोर्ट्रेट ऑफ़ मैडम कोलोना रोमानो’ और ‘यंग वुमन एट द वेल’ हैं। पुलिस फिलहाल चोरी को अंजाम देने वालों की तलाश में जुटी है। इस घटना के बीच आइए, दुनिया में हुई कला की कुछ दूसरी चर्चित और बड़ी चोरियों पर एक नजर डालते हैं।

इटली के म्यूजियम से रेनॉयर, सेजान और मैटिस की पेंटिंग चोरी

मार्च में चोर उत्तरी इटली के पार्मा शहर के पास स्थित एक निजी म्यूजियम, मैग्नानी रोक्का फ़ाउंडेशन से फ्रांसीसी कला जगत के तीन दिग्गजों की पेंटिंग चुराकर फरार हो गए। चोरी हुई तीन पेंटिंग में ऑगस्टे रेनॉयर की ‘फिश’, पॉल सेजान की ‘स्टिल लाइफ़ विद चेरीज’ और हेनरी मैटिस की ‘ओडालिस्क ऑन द टेरेस’ शामिल थीं। आकार में भले ही ये कलाकृतियां छोटी मानी जाती थीं, लेकिन इनकी कीमत लाखों यूरो आंकी गई थी।

कुछ महीनों बाद बरामद हुईं तीनों कलाकृतियां

अगस्त में इटली की कैराबिनियरी यानी पुलिस बल की आर्ट रिकवरी स्क्वाड ने तीनों पेंटिंग बरामद कर लीं। चोरी के सिलसिले में संगठित अपराध गिरोह का हिस्सा माने जा रहे पांच लोगों को हिरासत में लिया गया।

लूव्र में दिनदहाड़े चोरी, नेपोलियन काल के शाही गहने ले गए चोर

अक्टूबर में दिनदहाड़े हुई एक नाटकीय चोरी में पेरिस के लूव्र म्यूजियम से फ्रांसीसी सम्राट नेपोलियन बोनापार्ट और उनके परिवार के शाही गहनों के संग्रह से नौ चीजें चुरा ली गईं। चोरों ने उस समय लूव्र को निशाना बनाया, जब म्यूज़ियम आम दर्शकों के लिए खुला हुआ था। उन्होंने म्यूज़ियम की बाहरी दीवार तक पहुंचने के लिए बास्केट लिफ्ट का इस्तेमाल किया। इसके बाद महज कुछ मिनटों में उन्होंने डिस्प्ले केस तोड़ दिए और करीब 88 मिलियन यूरो (102 मिलियन अमेरिकी डॉलर) मूल्य के गहने लेकर फरार हो गए। चोरी किए गए सामान में नीलम जड़ा एक डायडेम, एक हार और एक कान की बाली शामिल थी।

ज्यादातर गहने अब भी गायब

चोरी को अंजाम देने वाले चार लोगों के गिरोह को आखिरकार पकड़ लिया गया, लेकिन चोरी किए गए ज्यादातर गहने बरामद नहीं हो सके। केवल महारानी यूजीनी का हीरे और पन्ने जड़ा ताज ही म्यूजियम के बाहर क्षतिग्रस्त हालत में मिला। माना गया कि भागते समय चोरों से यह ताज गिर गया था। इस चोरी के बाद दुनिया के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले म्यूज़ियमों में शामिल लूव्र ने अपने निदेशक को बदल दिया और सुरक्षा तथा निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया।

मोना लिसा की चोरी ने बढ़ाई पेंटिंग की शोहरत

लूव्र में चोरी और डकैती की कोशिशों का एक लंबा इतिहास रहा है। इसकी सबसे मशहूर घटना 1911 में हुई, जब लियोनार्डो दा विंची की ‘मोना लिसा’ अपने फ्रेम से गायब हो गई थी। इसे म्यूजियम के पूर्व कर्मचारी विन्सेन्ज़ो पेरुगिया ने चुराया था। वह म्यूज़ियम के अंदर छिपा रहा और बाद में अपने कोट के नीचे पेंटिंग छिपाकर बाहर निकल गया।

दो साल बाद फ्लोरेंस में मिली मोना लिसा

चोरी के करीब दो साल बाद ‘मोना लिसा’ को इटली के फ्लोरेंस में बरामद किया गया। इस घटना ने लियोनार्डो दा विंची की इस पेंटिंग को दुनिया की सबसे चर्चित और मशहूर कलाकृतियों में शामिल करने में बड़ी भूमिका निभाई।

बोस्टन के इसाबेला स्टीवर्ट गार्डनर म्यूज़ियम की चोरी आज भी रहस्य

इसे अमेरिका के इतिहास की सबसे बड़ी कला चोरियों में से एक माना जाता है। हालांकि, 35 साल बीत जाने के बाद भी बोस्टन के इसाबेला स्टीवर्ट गार्डनर म्यूजियम से चोरी हुई 13 कलाकृतियों का मामला अब तक अनसुलझा है।

पुलिस अधिकारियों के भेष में म्यूजियम में घुसे थे चोर

18 मार्च 1990 की सुबह दो लोग बोस्टन पुलिस अधिकारियों के भेष में म्यूज़ियम में दाखिल हुए। उन्होंने कहा कि वे एक कॉल का जवाब देने आए हैं।

द बोनस मार्केट अपडेट:

भारतीय शेयर बाजार कमजोर वैश्विक संकेतों से लाल निशान में खुला

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को लाल निशान में खुला। सेंसेक्स 533 अंक और निफ्टी 135 अंक गिरा। आईटी व सर्विसेज शेयरों में दबाव रहा। विशेषज्ञों के मुताबिक अमेरिका-ईरान तनाव से बढ़ी कच्चे तेल की कीमत और आईपीओ बाजार में बढ़ती लिक्विडिटी निकासी गिरावट की प्रमुख वजह हैं। भारतीय शेयर बाजार बुधवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में खुला।

सुबह 9:22 पर सेंसेक्स 533 अंक या 0.71 प्रतिशत की गिरावट के साथ 75,044 और निफ्टी 135 अंक या 0.57 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,498 पर था। शुरुआती कारोबार में बाजार पर दबाव बनाने का काम आईटी और सर्विसेज सेक्टर ने किया। सूचकांकों में निफ्टी आईटी और निफ्टी सर्विसेज टॉप लूजर्स थे। निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी ऑटो, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी मीडिया, निफ्टी कंज्पशन, निफ्टी ऑयलएंडगैस और निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग भी लाल निशान में थे। वहीं, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी पीएसई, निफ्टी फार्मा, निफ्टी मेटल और निफ्टी कमोडिटीज हरे निशान में थे।

20 साल का सफर और 11 देशों का दम: क्या दिल्ली में हो रहा ब्रिक्स शिखर सम्मेलन बदल देगा वैश्विक व्यापार का खाका?

नई दिल्ली के भारत मंडपम में 12-13 सितंबर 2026 को होने जा रहे ऐतिहासिक 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का संपूर्ण विश्लेषण पढ़ें। जानिए कैसे 11 देशों का यह विस्तारित ब्लॉक वैश्विक व्यापार, राष्ट्रीय मुद्राओं के उपयोग और एआई नीति को प्रभावित करेगा। इस बारे में विस्तार से जानने के लिए पढ़ें पूरी रिपोर्ट।वैश्विक कूटनीति और व्यापार के लिहाज से सितंबर का महीना भारत के लिए ऐतिहासिक होने जा रहा है। नई दिल्ली के भारत मंडपम में 12 और 13 सितंबर 2026 को 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन होगा। अपनी स्थापना की 20वीं वर्षगांठ मना रहा यह संगठन पहली बार अपने विस्तारित नए स्वरूप में मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मेजबानी वाले इस सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के शामिल होने की पुष्टि हो चुकी है और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भी आने की संभावना है।

क्या भारत-चीन और भारत-रूस द्विपक्षीय संबंधों को मिलेगी नई दिशा?

यह सम्मेलन भारत के लिए सहयोगियों के साथ द्विपक्षीय बातचीत का अत्यंत महत्वपूर्ण मंच है। यदि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग इसमें भाग लेते हैं, तो साल 2019 में महाबलीपुरम में हुई बैठक के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा होगी, जिससे पूर्वी लद्दाख सीमा पर तनाव के बाद द्विपक्षीय संवाद की राह खुल सकती है। साथ ही, भारत-रूस के व्यापारिक संबंधों को भी नई गति मिलने की उम्मीद है।

क्यों बेहद खास है भारत की मेजबानी में होने वाला यह 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन?

यह शिखर सम्मेलन कई मायनों में ऐतिहासिक है। इस बार ब्रिक्स की स्थापना के 20 वर्ष पूरे हुए हैं। हाल ही में हुए विस्तार के बाद यह पहला बड़ा शिखर सम्मेलन है, जिसकी अध्यक्षता भारत 'रिसिलिएंस, इनोवेशन, को-ऑपरेशन और सस्टेनेबिलिटी' की थीम और 'ह्यूमैनिटी फर्स्ट' के दृष्टिकोण के साथ कर रहा है। सम्मेलन के एजेंडे में वैश्विक शासन सुधार, ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल व्यापार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) शामिल हैं।अब ब्रिक्स 11 पूर्णकालिक सदस्यों का एक शक्तिशाली आर्थिक ब्लॉक बन चुका है, जिसमें भारत, ब्राजील, रूस, चीन और दक्षिण अफ्रीका के साथ मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, यूएई और इंडोनेशिया शामिल हैं। इनके अलावा 10 अन्य देशों को पार्टनर देश का दर्जा दिया गया है जो इसके ढांचे में सहयोग करेंगे। यह विस्तार ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं को मजबूती से वैश्विक मंच पर रखेगा।भारत ने अब तक चार बार ब्रिक्स की अध्यक्षता की है। वर्ष 2012 में भारत की पहल पर ही न्यू डेवलपमेंट बैंक की नींव पड़ी थी। इस बार 11 देशों के इस विशाल ब्लॉक की अध्यक्षता करते हुए भारत के सामने चुनौती यह होगी कि वह सदस्य देशों के भू-राजनीतिक मतभेदों को दरकिनार कर उनके आर्थिक और वित्तीय हितों में तालमेल बैठाए। 11 सितंबर को होने वाले ब्रिक्स बिजनेस फोरम के बाद शुरू हो रहा यह मुख्य सम्मेलन यह तय करेगा कि यह विस्तारित ब्लॉक अपनी सामूहिक ताकत को जमीन पर कैसे उतारता है।सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के विकास, डिजिटल ट्रेड और सुरक्षित एआई तकनीकों के एकीकरण पर व्यावहारिक रोडमैप तैयार करना।

किसानों के पास पारंपरिक फसलों का विकल्प: कभी डॉग फ्रूट रहे एवोकाडो की देश में बढ़ी मांग, आयात 15 हजार टन

कभी डॉग फ्रूट रहे एवोकाडो की भारत में मांग बढ़ रही है। आयात 15 हजार टन पहुंच गया है।किसान पारंपरिक फसलों के विकल्प के तौर पर एवोकाडो की खेती अपना रहे हैं। कभी भारत में पेड़ों पर पककर गिर जाने वाला एवोकाडो कुत्तों के खाने के काम आता था, इसलिए इसे डॉग फ्रूट तक कहा जाता था। अब यही फल तेजी से भारतीय बाजार में लोकप्रिय होकर पसंदीदा फल के रूप में जगह बना रहा है। बढ़ती मांग के बीच किसान इसकी व्यावसायिक खेती की ओर बढ़ रहे हैं, वहीं रेस्तरां और खाद्य कारोबार भी स्थानीय उत्पादन बढ़ने की उम्मीद कर रहे हैं।बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार भारत में हर साल करीब 15 हजार टन एवोकाडो का आयात होता है, जबकि उत्पादन सिर्फ 8 से 9 हजार टन के आसपास है। विशेषज्ञों के मुताबिक, मांग और आपूर्ति के इस बड़े अंतर में किसानों के लिए कारोबार का बड़ा अवसर मौजूद है। खासकर कॉफी और काली मिर्च जैसी पारंपरिक फसलों पर जलवायु परिवर्तन का असर बढ़ने के कारण फसल विविधीकरण जरूरी हो गया है।

पोषण से भरपूर फल

एवोकाडो में स्वस्थ वसा, फाइबर, पोटैशियम और फोलेट अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं। इसमें विटामिन ई, के, सी और बी-समूह के कुछ विटामिन भी होते हैं। इसकी खासियत यह है कि इसमें मौजूद वसा मुख्यतः मोनोअनसैचुरेटेड फैट होती है। यही पोषण गुण इसे सलाद, सैंडविच और अन्य व्यंजनों में लोकप्रिय बना रहे हैं।

देसी के मुकाबले विदेशी किस्मों की मांग

मुंबई के रेस्तरां भी एवोकाडो की बढ़ती मांग का संकेत दे रहे हैं। हंगर इंक हॉस्पिटैलिटी के कार्यकारी शेफ हुसैन शहजाद के मुताबिक, भारतीय एवोकाडो की गुणवत्ता में सुधार हुआ है, लेकिन मौसम और क्षेत्र के अनुसार आकार, स्वाद, बनावट और पकने की स्थिति में काफी अंतर रहता है। इसलिए फिलहाल उनके रेस्तरां आयातित एवोकाडो को प्राथमिकता देते हैं। भारत में हॅस और पिंकर्टन जैसी विदेशी किस्मों की पौध की मांग भी बढ़ रही है। भोपाल स्थित इंडो-इस्राइल एवोकाडो नर्सरी के संस्थापक हर्षित गोदहा के मुताबिक, पिछले पांच वर्षों में वह देशभर के किसानों को करीब 18 हजार पौधे दे चुके हैं। आसान नहीं व्यावसायिक खेती : एवोकाडो की व्यावसायिक खेती आसान नहीं है। बीज से तैयार पेड़ के बजाय स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल जड़ वाले पौधे पर मनचाही किस्म की शाखा जोड़कर पौध तैयार करनी होती है। पेड़ों की नियमित छंटाई जरूरी है, क्योंकि वे छह-सात साल में करीब 25 फुट तक ऊंचे हो सकते हैं। साथ ही, बेहतर फलन के लिए अलग-अलग किस्मों का सही अनुपात में रोपण और उचित परागण जरूरी है। भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बंगलूरू ने स्थानीय पेड़ों के आधार पर दो किस्में विकसित की हैं। अधिक उत्पादन देने वाली और गुणवत्तापूर्ण पौध ही देश में भरोसेमंद एवोकाडो बाजार तैयार कर सकती है।केरल के वायनाड स्थित कॉटनाड प्लांटेशन में एवोकाडो पहले मुख्य फसल के रूप में नहीं लगाया जाता था। कॉफी के पेड़ों को छाया देने के लिए इसे लगाया गया था। लेकिन करीब 15 साल पहले इसकी मांग बढ़ने लगी।

कंपनी के समूह प्रबंधक मधु बोपैया के मुताबिक, वर्ष 2011 के आसपास बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने त्वचा की देखभाल में एवोकाडो के इस्तेमाल का उल्लेख किया, जिसके बाद इसकी कीमतों में तेजी आई।

क्रूड में नए उबाल की आहट: 120 डॉलर पहुंच सकता है भाव, भारत पर बढ़ेगा महंगाई और आयात बिल का दबाव

वैश्विक ऊर्जा बाजार में एक बार फिर बड़े संकट की आहट सुनाई दे रही है। एक तरफ कच्चे तेल के निर्यातक देशों के संगठन ओपेक प्लस देशों ने अक्तूबर के लिए अपनी उत्पादन नीति में कोई बदलाव न करते हुए आपूर्ति बढ़ाने पर रोक लगा दी है, वहीं दूसरी तरफ प्रमुख वैश्विक निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स ने चेतावनी दी है कि यदि पश्चिम एशिया में जहाजों पर हमले और बढ़े, तो कच्चा तेल 120 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल सकता है।अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण सोमवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत 96.86 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई। घरेलू बाजार एमसीएक्स पर कच्चे तेल की कीमत करीब एक फीसदी उछलकर सोमवार को 8,774 रुपये प्रति बैरल रही।

गैस और पेट्रोलियम की आपूर्ति में ज्यादा जोखिम

गोल्डमैन सैक्स के अनुसार, यदि पश्चिम एशिया के प्रमुख जलमार्गों में व्यापारिक जहाजों पर हमले और तेज होते हैं, तो कच्चा तेल उछलकर 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकता है। हालांकि, यदि क्षेत्रीय तेल निर्यात सामान्य बना रहता है, तो निवेश बैंक ने 80 डॉलर प्रति बैरल का निचला परिदृश्य भी आंका है। ग्लोबल कमोडिटीज रिसर्च विभाग के अनुसार, कच्चे तेल की तुलना में यूरोपीय गैस और रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों में आपूर्ति व्यवधान का जोखिम कहीं अधिक है। बैंक ने निवेशकों को गैस और डीजल में लॉन्ग पोजीशन लेने की सलाह दी है।इसके अलावा, ट्रांसपोर्टेशन लागत में तेज इजाफा होगा, जिसका सीधा असर खाद्य और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर पड़ेगा। इससे देश में थोक और खुदरा दोनों स्तरों पर महंगाई दर में नए सिरे से उछाल आने का खतरा पैदा हो जाएगा। तेल खरीद के लिए ज्यादा डॉलर खर्च करने पड़ेंगे और विदेशी मुद्रा कमी होगी।

सऊदी अरब, रूस, इराक, कुवैत, अल्जीरिया, कजाकिस्तान और ओमान सहित 7 प्रमुख सदस्य देशों की रविवार को हुई बैठक में फैसला लिया गया कि नए उत्पादन कोटे तय होने तक उत्पादन नीति यथावत रखी जाएगी। अगस्त में ओपेक समूह ने सितंबर के लिए उत्पादन बढ़ाने की मंजूरी दी थी, जिससे 2023 में लागू की गई 16.5 लाख बैरल प्रतिदिन की कटौती की चरणबद्ध वापसी पूरी हो चुकी है। हालांकि, जारी ईरान युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते जहाजों की आवाजाही में आ रही रुकावटों ने भौतिक तेल बाजार और कीमतों पर ओपेक देशों के प्रभाव को सीमित कर दिया है।

चालू खाता घाटे में वृद्धि रुपया होगा कमजोर

भारत अपनी जरूरत का 85 फीसदी से ज्यादा कच्चा तेल और लगभग आधी प्राकृतिक गैस आयात करता है। यदि तेल की कीमतें बढ़ीं तो इसका सबसे सीधा असर देश के आयात बिल पर पड़ेगा। इससे चालू खाता घाटा तेजी से बढ़ेगा और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये पर भारी दबाव देखने को मिलेगा।ओपेक प्लस के उत्पादन न बढ़ाने के रुख से बाजार में अतिरिक्त तेल की कमी बनी रहेगी। कच्चे तेल ऊपर जाने से घरेलू स्तर पर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में राहत मिलने की गुंजाइश पूरी तरह समाप्त हो जाएगी।

सोने में तेजी का दौर अभी नहीं थमेगा: दीपावली तक 1.62 लाख रुपये पहुंच सकते हैं दाम; क्या अभी खरीदें?

घरेलू बाजार रुपये का मजबूत समर्थक

इंडसइंड सिक्योरिटीज के सीनियर रिसर्च एनालिस्ट जिगर त्रिवेदी के अनुसार, घरेलू बाजार में 1,49,000 रुपये का स्तर मजबूत सपोर्ट बन चुका है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 4,400 डॉलर प्रति औंस का स्तर सुरक्षित रहने पर दिवाली तक घरेलू भाव 1,60,000 से 1,62,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। केंद्रीय बैंकों का डी-डॉलराइजेशन अभियान : 2022 में यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने रूस की 300 अरब डॉलर से अधिक की संप्रभु संपत्तियों को फ्रीज किया, जिसने दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों की आंखें खोल दीं। विदेशी बैंकों में रखा डॉलर या बॉन्ड प्रतिबंधों की भेंट चढ़ सकता है, लेकिन अपनी तिजोरियों में रखे सोने पर किसी विदेशी शक्ति का नियंत्रण नहीं होता। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक, केंद्रीय बैंक लगातार 1,000 टन से अधिक की सालाना खरीदारी कर रहे हैं।

चार साल में सोने का भाव 50 हजार से बढ़कर 1.55 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है। मुनाफावसूली के बावजूद तेजी की उम्मीद बनी हुई है। क्या दीपावली तक सोना 1.62 लाख रुपये तक पहुंच सकता है और अभी खरीदारी का मौका है? पढ़िए रिपोर्टघरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में हालिया दिनों में सोने में भले ही मुनाफावसूली दिख रही हो, लेकिन सोने की बुनियादी चमक पर कोई आंच नहीं आई है। 24 कैरेट सोने का घरेलू बेंचमार्क सितंबर 2022 के लगभग 50,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से उछलकर सितंबर 2026 में 1.55 लाख रुपये के स्तर पर टिका हुआ है यानी महज चार साल में 210 फीसदी का बंपर रिटर्न।अंतरराष्ट्रीय बाजार में 29 जनवरी को सोना 5,608 डॉलर प्रति औंस के ऐतिहासिक शिखर पर पहुंचा था। वहां से 20 फीसदी फिसलकर अब यह 4,500 डॉलर के आसपास है। बाजार विश्लेषक इसे मंदी नहीं, बल्कि एक लंबे बुल-रन के बीच की हेल्दी प्रॉफिट बुकिंग मान रहे हैं।ना अब सिर्फ महंगाई से बचाव का पारंपरिक जरिया नहीं रहा। वैश्विक विखंडन के इस दौर में देश इसे डिफॉल्ट-मुक्त कोलैटरल और करेंसी अवमूल्यन के खिलाफ सबसे मजबूत संप्रभु ढाल के रूप में देख रहे हैं। रूस और तुर्की जैसे देश अपनी वित्तीय मजबूरियों और मुद्रा सुरक्षा के लिए सीमित बिक्री कर रहे हैं, लेकिन उभरते बाजारों की संस्थागत मांग उसकी तुरंत भरपाई कर रही है।

खरीफ सीजन में बुआई:

मानसून के अंतिम दौर में खरीफ बुआई का कुल आंकड़ा भले ही सामान्य स्तर के पास पहुंचता दिख रहा हो, लेकिन भीतर की तस्वीर चिंताजनक है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 4 सितंबर, 2026 तक खरीफ फसलों का कुल रकबा 1,086.31 लाख हेक्टेयर दर्ज किया गया है। यह पिछले साल की समान अवधि के 1,104.00 लाख हेक्टेयर के मुकाबले 17.69 लाख हेक्टेयर यानी 1.60 फीसदी कम है। शुरुआती महीनों के मुकाबले रकबे का फासला जरूर घटा है, लेकिन सबसे चिंता यह है कि धान का रकबा पिछले साल से काफी पीछे छूट गया है। धान का रकबा 3.74 फीसदी घटकर 421.82 लाख हेक्टेयर रह गया है।

मोटे अनाजों में मिला-जुला रुख

ज्वार और बाजरा की बुवाई में मामूली सुधार हुआ है, लेकिन मक्के के रकबे में 3.18 फीसदी और रागी में 13.30 फीसदी की भारी गिरावट आई है। पोल्ट्री और स्टार्च इंडस्ट्री के लिए मक्के की कमी चिंता का कारण बन सकती है।

अरहर और उड़द ने संभाला मोर्चा

दलहन का रकबा 1.60 फीसदी बढ़कर 117.13 लाख हेक्टेयर (पिछले साल 115.30 लाख हेक्टेयर) पर पहुंच गया है। उड़द की बुआई 11.95 फीसदी और अरहर की 1.61 फीसदी बढ़ी है। हालांकि, मूंग के रकबे में 3.05% और अन्य दालों में 13.14% गिरावट रही। कम बुआई के नतीजे अब मंडियों में दिखाई देने लगे हैं। धान, सोयाबीन, मूंगफली, मक्का और कपास के रकबे में कमी से उत्पादन कम होने के अनुमान मजबूत हो रहे हैं। वहीं, उड़द, अरहर और सूरजमुखी की बेहतर बुवाई से आने वाले महीनों में दालों और घरेलू खाद्य तेलों की आपूर्ति बेहतर होने की उम्मीद है,

बिग बॉस 20: किस बात पर भिड़ीं अरिश्फा और आम्रपाली? पहले ही हफ्ते घर से बेघर होने के लिए नॉमिनेट हुए चार लोग

Bigg Boss 20: 'बिग बॉस 20' में शो शुरू होते ही कंटेस्टेंट्स के बीच जबरदस्त ड्रामा देखने को मिल रहा है। अब नए प्रोमो में अरिश्फा खान और आम्रपाली दुबे के बीच जोरदार बहस होती नजर आ रही है। साथ ही चार कंटेस्टेंट बेघर होने के लिए नॉमिनेट भी किए जा चुके हैं। नए जारी हुए प्रोमो में जहां एक तरफ अरिश्फा और आम्रपाली के बीच तीखी बहस देखने को मिलती है, वहीं 4 कंटेस्टेंट को नॉमिनेट भी कर दिया गया है। साथ ही एपिसोड का अंत रैपर बादशाह की बातचीत पर ईशा की चुप्पी से होता है। जानिए तीसरे दिन क्या रहा खास।

क्यों हुई अरिश्फा और आम्रपाली में बहस?

वीडियो में अरिश्फा खान, आम्रपाली दुबे के उन्हें बच्चा कहने पर उनसे भिड़ती नजर आती हैं। अरिश्फा सभी घरवालों के सामने कहती हैं, 'आप सभी को लगता है कि मैं बच्ची हूं, लेकिन मेरा दिमाग आप सभी से ज्यादा तेज है।' इस पर आम्रपाली दुबे तुरंत उन्हें ताना मारते हुए कहती हैं, 'यार, रील कट रही है, रील कट रही है... बस कर।'

आम्रपाली की बात सुनकर अरिश्फा भी तुरंत पलटवार करती हैं और कहती हैं, 'मुझे रील कटवाने की जरूरत नहीं है, मेरी रील ऐसे ही कट जाती है।' इसके बाद बहस और बढ़ जाती है और आम्रपाली अरिश्फा से कहती हैं, 'हाथ लगाना नहीं, बस बात कर।' इसके बाद अरिश्फा गुस्से में घर के सभी सदस्यों को 'हिपोक्रेट्स' यानी दोहरे चेहरे वाला कह देती हैं।

अरिश्फा की इस बात पर माहि विज बीच में आती हैं और पूछती हैं, 'किस बात के हिपोक्रेट्स?' इसके बाद वह गुस्से में अरिश्फा से कहती हैं, 'आपको बोला?' वहीं, आम्रपाली भी अरिश्फा पर चिल्लाते हुए कहती हैं, 'मैं हिपोक्रेट हूं तो तू बच्ची है, चल।'

नॉमिनेशन में क्या हुआ?

वोटिंग प्रोसेस के आखिर में कनिका मान, उदिती सिंह, अरिश्फा खान और लव गिल इस हफ्ते नॉमिनेट हो गए हैं। अब देखना होगा कि इन चारों में से किसका सफर शो में यहीं खत्म होता है।

अक्षय कुमार @59: क्यों हर सिचुएशन में जेन-जी के फेवरेट हैं खिलाड़ी कुमार? अभिनय के अलावा यहां भी दबदबा कायम

Akshay Kumar Birthday: बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार सिर्फ फिल्मों में खिलाड़ी नहीं है, बल्कि वो मीम की दुनिया के भी खिलाड़ी हैं। हर परिस्थिति के लिए उनका कोई ना कोई मीम सूट हो ही जाता है। आज उनके जन्मदिन के मौके पर जानते हैं अक्षय के सबसे फेमस और फनी मीम्स के बारे में। अक्षय कुमार आज अपना 59वां जन्मदिन मना रहे हैं। उन्होंने अपने करियर में कई शानदार फिल्में दी हैं, जिनकी झलकियां आज भी हमें मीम के जरिए देखने को मिल जाती हैं। उनके इस जन्मदिन पर नजर डालिए उनके कुछ खास मीम्स पर।

जोर-जोर से बोलके सबको स्कीम बता दे

फिल्म 'फिर हेरा फेरी' अक्षय के करियर की ऐसी फिल्म है, जिससे कई मीम्स बने हैं। उन्हीं में से एक है- 'जोर-जोर से बोलके सबको स्कीम बता दे।' दरअसल फिल्म के एक सीन में अक्षय, राजपाल यादव को पैसे डबल करने की स्कीम के बारे में बताते हैं। इसी बीच राजपाल चौंककर जोर से बोल देते हैं। तब अक्षय, राजपाल के बाल पकड़कर ये डायलॉग बोलते हैं। यह मीम यूजर्स रोजमर्रा की जिंदगी में इस्तेमाल करते हैं।

भाईसाहब ये किस लाइन में आ गए आप

फिल्म 'वेलकम' भी अक्षय की टॉप कॉमेडी फिल्मों में से एक है। इस फिल्म के भी कई मीम बने हैं। उन्हीं में से एक है- 'भाईसाहब ये किस लाइन में आ गए आप। ' ये डायलॉग अक्षय, नाना पाटेकर से बातचीत करते हुए कहते हैं, जब नाना उन्हें बताते हैं कि उन्हें एक्टिंग में रुची है। साथ ही अक्षय दिखावे और झूठी तारीफ के लिए इस डायलॉग का इस्तेमाल करते हैं।

अक्षय कुमार की कॉमेडी फिल्मों का नाम हो और 'भागम भाग' का नाम ना आए, ऐसा तो हो ही नहीं सकता। फिल्म भागम भाग भी एक तरह से मीम्स की डिक्शनरी है। इसके हर दूसरे सीन में एक ना एक मीम का रिफरेंस तो आ ही जाता है। उन्हीं में से एक ये है- 'बहन डर गई, बहन डर गई।' इस डायलॉग में अक्षय अपनी कलीग के साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश करते हैं, लेकिन जब वो शोर मचाकर लोगों को बुला लेती है, तो अक्षय लोगों को देखकर बचने के लिए ये डायलॉग बोलने लगते हैं। फिल्म 'भूल भुलैया' अक्षय कुमार की कल्ट क्लासिक फिल्मों में से एक मानी जाती है। इस फिल्म में उनकी, राजपाल यादव और परेश रावल की कॉमिक टाइमिंग काफी शानदार रही है। इसी फिल्म का ये डायलॉग काफी मीम्स में यूज किया जाता है। सीन में अक्षय महल की भूतनी की तलाश करते है

रश्मिका मंदाना: अभिनेत्री ने दिखाया बेबी बंप!

साझा कीं खूबसूरत झलकियां बोलीं- 'ये तस्वीरें बेहद खास हैं

Rashmika Mandanna Photos: अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने सोशल मीडिया पर कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। साथ ही लिखा है कि ये बेहद खास हैं। इसकी वजह भी बताई है। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना अपने सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर एक बार फिर सुर्खियां बटोर रही हैं। इसमें वे बेबी बंप को टच करती दिख रही हैं। इससे पहले कि आप रश्मिका की प्रेग्नेंसी की अटकलें लगाएं तो स्पष्ट कर दें, ऐसा कुछ नहीं है। अभिनेत्री दरअसल, अपनी टीम की एक सदस्य का बेबी बंप दिखाते हुए उसे छू रही हैं। रश्मिका का कहना है कि ये तस्वीरें बेहद खास हैं, क्योंकि यह कैंडिट मूमेंट्स डिस्पोजेबल कैमरा से लिए गए हैं।

डिस्पोजेबल कैमरा के साथ रश्मिका का प्रयोग

रश्मिका मंदाना ने आज मंगलवार को इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ तस्वीरों की एक पूरी सीरीज साझा की है। यह फोटो खास हैं, क्योंकि डिस्पोजेबल कैमरा से लिए गए हैं। रश्मिका मंदाना ने एक लंबा नोट साझा किया है।

रश्मिका मंदाना ने कैप्शन लिखा है, 'कुछ महीने पहले हमें एक छोटा सा आइडिया आया था। मैंने टीम को एक डिस्पोजेबल कैमरा दिया और बस यही कहा कि... जो भी मन करे, उसकी फोटो खींच लो। और... अब आखिरकार हमें फोटोज मिल गई हैं। तस्वीरें खींचते ही उसे न देख पाने में एक अलग ही मजा है। आप बाल ठीक नहीं कर सकते, एंगल नहीं बदल सकते, 20 और फोटो नहीं खींच सकते या अपनी पसंद की चीजें एडिट नहीं कर सकते। आपको बस वही पल मिलता है जैसा वह असल में था'।

बोलीं- 'आगे भी ऐसा करेंगे'

रश्मिका ने आगे लिखा है, 'ऐसी दुनिया में जहां हम 'परफेक्ट' फोटो चुनने से पहले 1000 फोटो खींचने के आदी हो गए हैं। ये फोटोज कुछ ज्यादा ही खास लगती हैं।

धुरंधर: रणवीर सिंह की फिल्म पर तिग्मांशु धूलिया ने साधा निशाना

Tigmanshu Dhulia On Dhurandhar: रणवीर सिंह की 'धुरंधर' फ्रैंचाइजी ने बॉक्स ऑफिस पर खूब जमकर कमाई की। इस ब्लॉकबस्टर फिल्म की कहानी पर तिग्मांशु धूलिया ने तंज कसा है। फिल्म 'धुरंधर' ने दर्शकों का खूब दिल जीता। आदित्य धर निर्देशित रणवीर सिंह की मुख्य भूमिका वाली फिल्म ने कमाई के मामले में भी खूब नोट छापे। दूसरा पार्ट पहले से भी बीस साबित हुआ। मगर, इस फिल्म पर हाल ही में फिल्म निर्माता-निर्देशक तिग्मांशु धूलिया ने निशाना साधा है।

तिग्मांशु धूलिया ने 'धुरंधर' पर क्या कहा?

तिग्मांशु धूलिया को फिल्म 'धुरंधर' की कहानी पसंद नहीं आई। दरअसल, तिग्मांशु हाल ही में हिंदी सिनेमा में कहानी कहने के तरीके पर बात करते दिखे और इसे लेकर सवाल उठाए। उनके मुताबिक, कॉरपोरेट कल्चर और एक जैसे फिल्मी टेम्पलेट के चलते अब फिल्मों में मौलिक कहानियां कम होती जा रही हैं। निर्देशक ने हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान यह टिप्पणी की। तिग्मांशु धूलिया ने मेनस्ट्रीम हिंदी सिनेमा में कहानी कहने के तरीके में बदलते नजरिए के उदाहरण के तौर पर रणवीर सिंह की 'धुरंधर' का जिक्र किया। आदित्य धर के डायरेक्शन में बनी इस फ्रैंचाइजी की पहली फिल्म को लेकर तिग्मांशु ने तारीफ की। मगर, इसकी कहानी पर सवाल उठा दिए। उन्होंने कहा, 'ये कोई कहानी हुई'? कार्यक्रम में बोलते हुए तिग्मांशु ने कहा, 'कॉरपोरेट कल्चर की वजह से आज सिर्फ एक ही तरह की फिल्में बन रही हैं। हर फिल्म एक फिक्शनल बायोपिक होती है। जब मैं कमर्शियल मेनस्ट्रीम सिनेमा की बात करता हूं, तो 'पुष्पा', 'केजीएफ' और धुरंधर जैसी फिल्में इसके उदाहरण हैं'।

उन्होंने आगे कहा, 'वैसे, मुझे 'धुरंधर' का पहला पार्ट बहुत पसंद आया। इसे बहुत अच्छे से पेश किया गया था। इसका म्यूजिक भी अच्छा था। लेकिन अगर आप किसी से 'धुरंधर' की कहानी बताने को कहें, तो कोई भी आपको कहानी नहीं बता पाएगा। एक आदमी अंडरकवर बनकर पाकिस्तान जाता है और वहां तबाही मचाता है। क्या यह भी कोई कहानी है'? तिग्मांशु धूलिया का मानना है कि हिंदी सिनेमा में ओरिजिनल कहानियां कम होती जा रही हैं।

ओटीटी रिलीज: इस सप्ताह ओटीटी पर होगा 'घमासान' क्रांति की मशाल लेकर निकलेंगे 'सिरफिरे', क्या-क्या होगा खास?

OTT Releases This Week: नए वीक की शुरुआत हो गई है। कुछ नई फिल्में और सीरीज की आमद होगी। जानिए क्या-क्या है इस बार लिस्ट में? सिनेमाघरों में इन दिनों फिल्म 'हनुमान अंश' की खूब चर्चा हो रही है। इसके अलावा 'मिर्जापुर द मूवी' भी आ गई है। 'हैवान' इस सप्ताह थिएटर में आने वाली है। वहीं, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी इस वीक खूब घमासान होने वाला है। जानिए क्या-क्या है इस बार ओटीटी के पिटारे में? आगामी वेब सीरीज 'द रिवोल्यूशनरीज' इस सप्ताह रिलीज होगी। यह सीरीज सच्ची घटनाओं से प्रेरित है और भारत के स्वतंत्रता संग्राम की पृष्ठभूमि पर बनाई गई है। निखिल आडवाणी निर्देशित यह ऐतिहासिक ड्रामा सीरीज 11 सितंबर को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। इसमें भुवन बाम, रोहित सराफ, प्रतिभा रांटा और गुरफतेह पीरजादा अहम भूमिकाओं में हैं। वहीं, जेसन शाह, पाओली डैम और टोटा रॉय चौधरी भी महत्वपूर्ण किरदार अदा करेंगे। इस वीक फिल्म 'घमासान' भी रिलीज होने जा रही है। अरशद वारसी और तिग्मांशु धूलिया अभिनीत फिल्म एक कुख्यात डाकू महाराज और एसटीएफ अधिकारी आदित्य की कहानी पर आधारित है। दर्शक इसे 11 सितंबर से जी5 पर देख पाएंगे। बता दें कि फिल्म का निर्देशन तिग्मांशु धूलिया ने किया है। अभिनेता अरशद वारसी इस फिल्म में डाकू की भूमिका में नजर आएंगे। ओटीटी पर इस वीक आपको मोगली की कहानी भी देखने को मिलेगी। एनिमेटिड सीरीज 'जंगल टेल्स विद मोगली' जो रिलीज हो रही है। इसे बच्चों के साथ देख सकते हैं। यह सीरीज 12 सितंबर से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। इस वीक वेब सीरीज चुंबक भी रिलीज होने वाली है। इसमें मोहल्ले में आस-पड़ोस के घरों के बीच के पारिवारिक और आत्मीय रिश्तों को दिखाया जाएगा। इस सीरीज में नीना गुप्ता, देवेन भोजानी, अमायरा दस्तूर, अर्जुन बिजलानी, अनंत वी जोशी और हेली शाह समेत कई सितारे हैं। इस सीरीज का प्रीमियर नेटफ्लिक्स पर 10 सितंबर से होगा।

Aaj ka Rashifal 09 September

धनु और मकर राशि वालों की चमकेगी किस्मत करियर और कारोबार में बनेंगे लाभ के योग

9 सितंबर 2026 का दैनिक राशिफल आपके लिए दिनभर के प्रेम, करियर, धन, स्वास्थ्य और पारिवारिक जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी लेकर आया है। जानिए सभी राशि वालों के लिए आज का दिन कैसा रहेगा और किन बातों का विशेष ध्यान रखना होगा।

9 September 2026 Rashifal: 9 सितंबर 2026 का दिन मेष से मीन राशि तक सभी 12 राशियों के लिए कई महत्वपूर्ण संकेत लेकर आ रहा है। ग्रहों और नक्षत्रों की स्थिति के कारण आज कुछ राशि वालों के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैंवहीं कुछ लोगों को महत्वपूर्ण फैसले लेते समय सावधानी और धैर्य बनाए रखने की आवश्यकता होगी। करियर, कारोबार, धन, परिवार और व्यक्तिगत जीवन से जुड़े मामलों में आज का दिन अलग-अलग राशियों पर अलग प्रभाव डाल सकता है। पंचांग के अनुसार, भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि सुबह 8 बजे तक रहेगी, इसके बाद चतुर्दशी तिथि शुरू होगी। सुबह 10:44 बजे तक अश्लेषा नक्षत्र रहेगा और उसके बाद मघा नक्षत्र का प्रभाव होगा। वहीं शिव योग शाम 5:22 बजे तक रहेगा, जिसके पश्चात सिद्ध योग प्रारंभ होगा। इन तिथि, नक्षत्र और योग के संयोग का प्रभाव आज के दिन को विशेष बना रहा है। आइए जानते हैं आज का दिन मेष से मीन राशि तक सभी 12 राशियों के लिए कैसा रहेगा।

मेष

आज आपका मान-सम्मान और सामाजिक प्रभाव दोनों बढ़ सकते हैं। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों की छवि मजबूत होगी और लोगों के बीच आपकी बात को महत्व मिलेगा। हालांकि, किसी की कही बात को दिल पर लेने से मन परेशान हो सकता है। आपका मनमौजी रवैया छोटी-सी बात को बड़ा बना सकता है, इसलिए धैर्य से काम लें। माताजी की सेहत, खासकर पैरों से जुड़ी किसी परेशानी को नजरअंदाज न करें। कार्यक्षेत्र की राजनीति से दूरी बनाए रखना ही आपके लिए बेहतर रहेगा।

वृषभ

आज संपत्ति और निवेश से जुड़े मामलों में भाग्य आपका साथ दे सकता है। एक साथ कई काम आने से व्यस्तता जरूर बढ़ेगी, लेकिन प्रॉपर्टी खरीदने या बेचने का सपना पूरा होने की उम्मीद है। कारोबार में अच्छा मुनाफा मिलने से आर्थिक स्थिति और मन दोनों बेहतर होंगे। किसी बाहरी व्यक्ति की सलाह को बिना जांचे-परखे स्वीकार न करें। कानूनी मामलों में छोटी-सी लापरवाही भी आगे बड़ी परेशानी बन सकती है, इसलिए हर दस्तावेज और प्रक्रिया को ध्यान से पूरा करें।

मिथुन

आज समाजसेवा और अच्छे कामों के कारण आपकी पहचान और सम्मान बढ़ सकता है। आपकी नई कोशिशें सफल होंगी और लोग आपके काम की तारीफ करेंगे। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों के लिए मेहनत जारी रखना बेहद जरूरी रहेगा। मन मौज-मस्ती में ज्यादा लग सकता है, जिससे काम टालने का मन करेगा, लेकिन खुद को अनुशासित रखें। परिवार में शादी-विवाह से जुड़ी कोई रुकावट दूर करने में किसी करीबी व्यक्ति का सहयोग मिल सकता है।

कर्क

आज दिन सकारात्मक रहने के बावजूद मन में किसी बात को लेकर थोड़ी बेचैनी बनी रह सकती है। भाई-बहनों के साथ आपका रिश्ता और मजबूत होगा और उनका सहयोग भी मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कोई व्यक्ति आप पर गलत आरोप लगाने की कोशिश कर सकता है, इसलिए अपनी बात शांत और स्पष्ट तरीके से रखें। संतान की सफलता आपको गर्व और खुशी का एहसास कराएगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद जरूर लें, लेकिन पेट से जुड़ी परेशानी को लेकर सावधानी बरतें।

सिंह

आज का दिन सामान्य से बेहतर रहने वाला है। पड़ोस या आसपास चल रहे विवादों से खुद को दूर रखना ही आपके लिए समझदारी होगी। पुराने लेन-देन से जुड़ी कोई उलझन सुलझ सकती है, जिससे राहत मिलेगी। अपने जरूरी कामों की जिम्मेदारी खुद संभालें और हर छोटी बात के लिए दूसरों पर निर्भर न रहें। संतान के साथ घूमने-फिरने का मौका मिलेगा। वहीं किसी पुराने मित्र से अचानक मुलाकात दिन को खास और यादगार बना सकती है।

कन्या

आज सफलता और तरक्की के नए रास्ते आपके सामने खुल सकते हैं। लंबे समय से अटका कोई सरकारी काम पूरा होने की संभावना है, जिससे बड़ी राहत मिलेगी। वाहन चलाते समय अतिरिक्त सावधानी रखें और जल्दबाजी से बचें। विदेश में पढ़ाई का सपना देखने वाले विद्यार्थियों को कोई अच्छी खबर मिल सकती है। माताजी के साथ हुई बातचीत आपकी कई उलझनों को सुलझाने में मदद करेगी। अपनी जीवनशैली में सुधार लाने की जो कोशिश आप कर रहे हैं, उसमें भी अच्छे परिणाम मिल सकते हैं।

तुला

आज आपकी मेहनत का पूरा फल मिलने की उम्मीद है। भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए आप धन निवेश से जुड़ी नई योजनाओं पर विचार कर सकते हैं। कानूनी मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही नुकसान पहुंचा सकती है, इसलिए हर कदम सोच-समझकर उठाएं। किसी सहयोगी की कही बात आपको भावुक या परेशान कर सकती है, लेकिन उसे अपने काम पर हावी न होने दें। परिवार के किसी सदस्य को नौकरी के कारण दूर जाना पड़ सकता है, जिससे घर का माहौल थोड़ा भावुक हो सकता है।

वृश्चिक

आज आपके दिमाग में लगातार नए और शानदार विचार आते रहेंगे। कारोबार में किसी नए काम या योजना की शुरुआत लाभदायक साबित हो सकती है। जीवनसाथी के करियर में भी कोई नया अवसर दस्तक दे सकता है, जिससे परिवार में खुशी बढ़ेगी। आय में बढ़ोतरी से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। लंबे समय से अटका हुआ काम पूरा होने पर मन को राहत मिलेगी। किसी महत्वपूर्ण फैसले के समय पिताजी की सलाह लेना आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है।

धनु

आज लेन-देन से जुड़े मामलों में विशेष सावधानी रखना जरूरी होगा। आपकी निर्णय लेने की क्षमता मजबूत रहेगी, लेकिन किसी के बहकावे या दबाव में आकर फैसला न लें। माताजी की कही कोई बात आपको थोड़ी बुरी लग सकती है, इसलिए तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय शांत रहें। कार्यक्षेत्र में कोई सहयोगी परेशानी खड़ी करने की कोशिश कर सकता है। विद्यार्थियों का मानसिक दबाव कम होगा और पढ़ाई में मन बेहतर लगेगा। पूजा-पाठ या धार्मिक वातावरण से मन को विशेष शांति मिलेगी।

मकर

आज का दिन नई संभावनाओं और अच्छे अवसरों की ओर इशारा कर रहा है। यात्रा या घूमने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है, जो आगे आपके लिए काफी उपयोगी साबित होगी। राजनीति से जुड़े लोगों को कोई बड़ा पद, जिम्मेदारी या सम्मान मिल सकता है। नया वाहन खरीदने का सपना भी पूरा होने की संभावना है। पुराने लेन-देन से जुड़ी कोई परेशानी थोड़ी चिंता बढ़ा सकती है, लेकिन संतान की ओर से मिली खुशखबरी पूरे दिन को खुशनुमा बना देगी।

कुंभ

आज घर-परिवार में मौज-मस्ती और खुशियों का माहौल रहेगा। छोटे बच्चों के साथ बिताया गया समय आपकी कई चिंताओं को भुलाकर चेहरे पर मुस्कान ला सकता है। पिताजी की ओर से कोई सरप्राइज गिफ्ट मिलना आपको खास खुशी देगा। यात्रा के दौरान अपने कीमती सामान का विशेष ध्यान रखें। धन और सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होने के संकेत हैं। किसी पुरानी स्वास्थ्य परेशानी में राहत मिलने से मन हल्का होगा और आपकी कोई खास इच्छा भी पूरी हो सकती है।

मीन

आज भागदौड़ ज्यादा रहने के कारण मन थोड़ा उलझा हुआ महसूस कर सकता है। काम में लापरवाही करने से आज की छोटी गलती भविष्य में बड़ी परेशानी बन सकती है, इसलिए हर जिम्मेदारी समय पर पूरी करें। विद्यार्थियों को पढ़ाई पर विशेष ध्यान देना होगा, वरना परीक्षा के समय मुश्किल हो सकती है। दूसरों के निजी मामलों में बिना मांगे सलाह देने से बचें। आपके भीतर ऊर्जा की कोई कमी नहीं रहेगी, बस उसे सही दिशा में लगाना जरूरी है। सही प्रयास आपको सफलता के नए रास्ते दिखा सकते हैं।

Aaj Ka Love Rashifal

कर्क और मीन राशि वालों पर बरसेगा प्यार, रिश्ते में बढ़ेगा भावनात्मक जुड़ाव

9 सितंबर 2026 का लव राशिफल प्यार और रिश्तों के लिहाज से कई राशियों के लिए खास रहने वाला है। किसी को पार्टनर का साथ मिलेगा, तो कुछ लोगों के रिश्तों में गलतफहमियां दूर हो सकती हैं। जानें मेष से मीन तक सभी 12 राशियों के प्रेम जीवन का हाल।

Today Love Horoscope: प्रेम-प्रसंग के लिहाज से दिन कई राशियों के लिए खास रहने वाला है। ग्रहों की स्थिति का असर व्यक्ति के प्रेम जीवन, रिश्तों और भावनाओं पर देखने को मिल सकता है। जहां कुछ राशि वालों के रिश्ते में प्यार और नजदीकियां बढ़ सकती हैं, वहीं कुछ लोगों को पार्टनर के साथ बातचीत करते समय धैर्य रखने की जरूरत होगी। जो लोग सिंगल हैं, उनके लिए भी आज किसी खास व्यक्ति से मुलाकात या बातचीत की शुरुआत के योग बन सकते हैं। वहीं शादीशुदा लोगों के लिए जीवनसाथी के साथ रिश्ते मजबूत करने का अच्छा मौका रहेगा। आइए जानते हैं मेष से मीन राशि तक सभी 12 राशियों के लिए आज का दिन |

साप्ताहिक राशिफल (7 से 13 सितंबर): मेष-सिंह के लिए शुभ, तुला की बढ़ेगी भागदौड़, पढ़ें 12 राशियों का हाल

सितंबर का दूसरा सप्ताह धार्मिक और ज्योतिषीय दृष्टि से बेहद खास रहने वाला है। ऐसे में आइए जानते हैं 07 से 13 सितंबर 2026 तक का साप्ताहिक राशिफल।

सितंबर का दूसरा सप्ताह यानी 7 से 13 सितंबर 2026 ज्योतिषीय दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है। इस दौरान 7 सितंबर को बुध कन्या राशि में प्रवेश करेंगे, हां उसे मजबूत स्थिति में माना जाता है। इससे बुद्धि, तर्क, व्यापार, शिक्षा और करियर से जुड़े मामलों में सकारात्मक बदलाव के संकेत मिल सकते हैं। वहीं 11 सितंबर को अमावस्या का प्रभाव भी रहेगा, जिससे कई राशियों के लिए नई शुरुआत और योजनाओं में बदलाव के योग बनेंगे। इस सप्ताह कुछ लोगों को आर्थिक और पेशेवर मामलों में लाभ मिल सकता है, जबकि कुछ राशियों को जल्दबाजी और अनावश्यक खर्च से बचना होगा। आइए जानते हैं 7 से 13 सितंबर 2026 तक का साप्ताहिक राशिफल।

मेष

मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह भी बीते हफ्ते की तरह अत्यंत ही शुभ, लाभप्रद और प्रगतिदायक कहा जाएगा। इस सप्ताह किस्मत के सितारे आप पर पूरी तरह से मेहरबान रहेंगे, जिसके कारण आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मनचाही सफलता प्राप्त होगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। अधिकारी वर्ग आपके कामकाज से प्रसन्न रहेगा और सहकर्मी आपका पूरा सहयोग और समर्थन करेंगे। सप्ताह के मध्य में आपको किसी कार्य विशेष के लिए पुरस्कृत किया जा सकता है। इस दौरान आपका मन धार्मिक-सामाजिक कार्यों में ज्यादा लगेगा। युवाओं का अधिकांश समय मौज-मस्ती करते हुए बीतेगा। यदि आप उच्च शिक्षा के लिए प्रयासरत हैं तो उसकी प्राप्ति में आ रही बाधाएं दूर होंगी।

विद्यार्थी वर्ग अध्ययन में एकाग्रता महसूस करेंगे। व्यवसाय की दृष्टि से सप्ताह के पूर्वार्ध के मुकाबले उत्तरार्ध कहीं ज्यादा शुभ एवं लाभप्रद रहेगा। इस दौरान कारोबारी मामलों में अनुकूलता रहेगी। बाजार में आई तेजी का लाभ उठाने में आप सफल रहेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नौकरीपेशा वर्ग की आय के नये स्रोत बनेंगे। प्रेम प्रसंग में अनुकूलता बनी रहेगी। लव पार्टनर के साथ नजदीकियां और आपसी विश्वास बढ़ेगा। वैवाहिक जीवन सुखमय बना रहेगा।

उपाय: प्रतिदिन स्फटिक के श्रीयंत्र की पूजा और श्री महालक्ष्मी अष्टकं का पाठ करें।

मूलांक 6 और 8 वालों को रहना होगा सतर्क, कामकाज में आ सकती हैं चुनौतियां

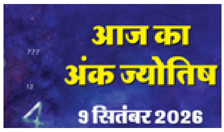

आज 9 सितंबर 2026 का अंक ज्योतिष मूलांक के आधार पर आपके दिन के बारे में खास संकेत दे रहा है। कुछ मूलांक वालों को करियर और धन के मामले में लाभ मिल सकता है, जबकि कुछ को फैसले लेते समय सावधानी बरतनी होगी। जानें मूलांक 1 से 9 तक का आज का अंक भविष्यफल।

Today Numerology Prediction: 9 सितंबर 2026 का दिन अंक ज्योतिष के नजरिए से कई मूलांक वालों के लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। अंक ज्योतिष में व्यक्ति की जन्म तारीख से प्राप्त मूलांक के आधार पर उसके स्वभाव, कार्यक्षमता और जीवन से जुड़े कई पहलुओं का आकलन किया जाता है। ऐसे में रोजाना के अंक भविष्यफल के जरिए यह जानने की कोशिश की जाती है कि दिन आपके लिए किस तरह के अवसर और चुनौतियां लेकर आ सकता है। आइए जानते हैं मूलांक 1 से 9 तक के लिए 9 सितंबर 2026 का आज का अंक ज्योतिष भविष्यफल।

सूर्य-केतु युति 2026: 17 सितंबर तक इन राशि वालों का समय रहेगा गोल्डन, करियर-धन में मिलेगा बड़ा लाभ

Surya Ketu Yuti 2026: 17 सितंबर 2026 को सूर्य कन्या राशि में प्रवेश करेंगे। तब तक सूर्य-केतु की यह युति प्रभावी रहने वाली है, जिससे कुछ राशियों को विशेष लाभ संभव है। आइए इन लकी राशियों को जानते हैं।

Surya Ketu Yuti 2026: ज्योतिषियों के अनुसार, सूर्य अभी अपनी राशि सिंह में गोचर कर रहे हैं और यहां उनकी युति केतु के साथ बन रही हैं। सूर्य-केतु की यह युति कुछ राशि वालों के लिए विशेष लाभकारी साबित हो सकती है। माना जा रहा है कि, 17 सितंबर 2026 को सूर्य कन्या राशि में प्रवेश करेंगे। तब तक सूर्य-केतु की यह युति प्रभावी रहने वाली है। ऐसे में तबतक कुछ राशियों का समय बेहद कल्याणकारी रह सकता है। इस दौरान जातकों को करियर, नौकरी, व्यापार और निवेश से जुड़े मामलों में अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। साथ ही कई अटके कामों में गति आने और नए अवसर मिलने के भी योग बन सकते हैं। आइए जानते हैं कौन-सी राशियां इस दौरान लकी रहने वाली हैं।

मेष राशि

मेष राशि वालों को इस दौरान धन लाभ हो सकता है। करियर में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे और परिवार में खुशियां बनी रहेंगी। यदि आप किसी काम को लेकर लंबे समय से प्रयास कर रहे थे तो उसमें सफलता मिल सकती है। कारोबार के क्षेत्र में भी सकारात्मक अवसर सामने आ सकते हैं। आपका अधिकांश समय मौज-मस्ती और दोस्तों के साथ बित सकता है। मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा और आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो सकती है। पैतृक संपत्ति से आपको अच्छा खासा धन अर्जित करने का मौका मिलेगा।

सिंह राशि

सिंह राशि वालों को नई नौकरी की प्राप्ति हो सकती है। करियर के मोर्चे पर नई जिम्मेदारी मिलने के भी योग बन रहे हैं, जो भविष्य में आपके लिए लाभकारी साबित हो सकती है। आपका मन धार्मिक-सामाजिक कार्यों में ज्यादा लगेगा। इस दौरान आपके कई काम मनचाहे तरीके से पूरे हो सकते हैं। घर में लंबे समय से अटका कोई जरूरी काम भी पूरा होने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और क्षमता की सराहना हो सकती है। ईमानदारी आपके रिश्ते को मजबूत बनाएगी। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता मिलने की संभावना अधिक रहेगी।

दलीप ट्रॉफी फाइनल:

क्या करुण नायर को न खिलाकर साउथ जोन ने की भारी गलती?

दलीप ट्रॉफी फाइनल में साउथ जोन के शीर्षक्रम के संघर्ष ने करुण नायर को टीम से बाहर रखने के फैसले पर सवाल खड़े कर दिए हैं। नायर लगातार दूसरे मैच में नहीं चुने गए और बंगलूरू लौटने के बाद थिम्मापैया ट्रॉफी में शतक जड़ दिया। टीम मैनेजमेंट ने संयोजन को चयन की वजह बताया है। दलीप ट्रॉफी फाइनल में साउथ जोन ने जिस फैसले पर भरोसा किया था, वही अब उसके लिए सवाल बनता नजर आ रहा है। टीम ने अनुभवी बल्लेबाज करुण नायर को लगातार दूसरे मुकाबले में प्लेइंग इलेवन से बाहर रखा, लेकिन फाइनल में उतरते ही शीर्षक्रम की तस्वीर कुछ ऐसी बनी कि नायर की गैरमौजूदगी चर्चा का सबसे बड़ा मुद्दा बन गई है। सबसे चौंकाने वाला फैसला रिकी भुई से ओपनिंग कराने का रहा। भुई ने अपने 90 प्रथम श्रेणी मैचों में सिर्फ तीन बार पारी की शुरुआत की थी और फाइनल में भी वह महज एक रन बनाकर लौट गए। दूसरी ओर, टीम से बाहर होने के बाद बंगलूरू पहुंचे नायर ने थिम्मापैया ट्रॉफी में छत्तीसगढ़ के खिलाफ शतक ठोक दिया। ऐसे में चेन्नई में साउथ जोन के विकेट गिरते गए तो सवाल भी तेज होता गया कि क्या फाइनल जैसे बड़े मुकाबले में टीम संयोजन के नाम पर करुण नायर को बाहर रखना वाकई सही फैसला था, या चयन में ऐसी चूक हुई जिसका खामियाजा टीम को मैदान पर भुगतना पड़ रहा है? दरअसर, ईस्ट जोन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 708 रन बनाए। इसमें कप्तान ईशान किशन की 270 रन, कुमार कुशाग्र की 101 रन और शिखर मोहन की 85 रन की पारी शामिल है। अभिमन्यु ईश्वरन ने 72 रन, अनुकूल रॉय ने 45 रन, वैभव सूर्यवंशी ने 44 रन और कुनैन कुरेशी ने 40 रन बनाए। जवाब में दलीप ट्रॉफी फाइनल के तीसरे दिन साउथ जोन की टीम 200 के अंदर ही पांच विकेट गंवा चुकी थी। उसे फॉलोऑन बचाने के लिए कुल 509 रन बनाने हैं, जो कि पुछल्ले बल्लेबाजों को देखते हुए बेहद मुश्किल दिखता है। टीम की शुरुआत भी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही। कप्तान तिलक वर्मा और टीम मैनेजमेंट ने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करते हुए भुई को नारायण जगदीशन के साथ पारी की शुरुआत करने का फैसला किया था, लेकिन भुई की बतौर सलामी बल्लेबाज बहुत कम अनुभव ने उन्हें जल्दी पवेलियन का रास्ता दिखाया। जगदीशन ने 32 रन बनाए, जबकि देवदत्त पडिक्कल ने 62 रन की पारी खेलकर पारी को संभालने की कोशिश की। हालांकि शेख रशीद भी 27 रन बनाकर लौट गए। इस तरह शुरुआती क्रम में स्थिरता की कमी साफ दिखाई दी। यहीं करुण नायर का नाम फिर चर्चा में आ गया।

भारतीय टीम को नहीं मिलेगा पांच सितारा होटल:

एशियाड के दौरान तय आवास में ही ठहरेंगे खिलाड़ी

एशियाई खेलों के दौरान भारतीय क्रिकेट टीम आयोजकों द्वारा ठहराए जाने वाले आवास में ही ठहरेगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्य राजीव शुक्ला ने इस बात की पुष्टि कर दी है। जापान में होने वाले आगामी एशियाई खेलों में हिस्सा लेने वाले भारतीय क्रिकेटर आयोजन समिति की ओर से तय आवास में ही ठहरेंगे। क्रिकेटरों को हालांकि विदेशी दौरों पर आमतौर पर मिलने वाले पांच सितारा होटलों जैसी सुविधाएं नहीं मिलेगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने मंगलवार को यह जानकारी दी। शुक्ला ने कहा कि नागोया में शीर्ष श्रेणी के होटलों की कमी के कारण क्रिकेटरों के ठहरने को लेकर सवाल उठे थे, लेकिन आवास को लेकर कोई बड़ी समस्या नहीं है और बीसीसीआई तथा खिलाड़ी मौजूदा व्यवस्था से संतुष्ट हैं। टोक्यो या ओसाका में दिया गया था विकल्प

भारतीय दल के विदाई समारोह के दौरान शुक्ला ने कहा, आयोजक जो सुविधा दे रहे हैं, हम वहीं ठहर रहे हैं। हम लगातार यह देख रहे हैं कि खिलाड़ियों को किस तरह का आवास दिया जा रहा है, ताकि उन्हें किसी तरह की परेशानी न हो। निश्चित तौर पर यह पांच सितारा नहीं है लेकिन अच्छा और आरामदायक आवास है। क्रिकेटरों के लिए जो आवास तय किए गए हैं, उसकी तस्वीरें और वीडियो हमने मंगवाए हैं। मुझे लगता है कि यह आरामदायक है। खिलाड़ी वहीं ठहरेंगे क्योंकि दूसरा विकल्प उन्हें ओसाका या टोक्यो में ठहराने का था, जो काफी दूर है।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने भी कहा कि आवास से जुड़ी समस्या का समाधान कर लिया गया है। उषा ने कहा, कोई समस्या नहीं है। हमने होटल पहले ही बुक कर लिए हैं। हम हर खिलाड़ी के लिए अलग से होटल का कमरा बुक नहीं कर सकते, क्योंकि वहां खिलाड़ियों के गांव जैसी व्यवस्था नहीं है। आयोजक जहाज और छोटे विला जैसी आवास सुविधाएं भी उपलब्ध करा रहे हैं। शुक्ला ने स्पष्ट किया कि भारतीय क्रिकेटर दो खिलाड़ियों के साझा कमरों में नहीं, बल्कि अलग-अलग कमरों में ठहरेंगे। भारतीय टीम 20 सितंबर को टोक्यो के लिए रवाना होगी और 22 सितंबर को जापान के खिलाफ ऐतिहासिक टी20 मुकाबला खेलेगी। भारत एशियाई खेलों में अपने अभियान की शुरुआत 28 सितंबर को करेगा। उन्होंने कहा, समस्या यह थी कि नागोया में ज्यादा होटल नहीं हैं। टोक्यो बुलेट ट्रेन से करीब डेढ़ घंटे की दूरी पर है और ओसाका भी इतनी ही दूर है। एशियाई खेलों में सभी प्रतिभागी एक परिवार की तरह होते हैं। यह अच्छा नहीं लगता कि कुछ टीमें टोक्यो में और कुछ ओसाका में ठहरें। इसलिए तय किया गया कि हमारे खिलाड़ी नागोया में ही होटल में ठहरेंगे। शुक्ला ने आवास के मुद्दे को ज्यादा तवज्जो नहीं देते हुए कहा कि असली चिंता मैदान, पिच और ड्रेसिंग रूम की स्थिति को लेकर थी। उन्होंने बताया कि एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की टीम नागोया का दौरा कर चुकी है और वहां की व्यवस्थाओं से संतुष्ट है।

केविन पीटरसन बने इंग्लैंड की टीम के मेंटर:

केएल राहुल ने कर दी खिंचाई पूछा- पैकेज में मालदीव टूर भी शामिल है?

केविन पीटरसन 12 साल बाद इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम से जुड़े हैं। उन्हें 2027 वनडे विश्व कप को ध्यान में रखते हुए इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल टीम का विशेषज्ञ मेंटर बनाया गया है। पीटरसन की नियुक्ति पर केएल राहुल ने सोशल मीडिया पर मजेदार कमेंट करते हुए मालदीव की छुट्टी को लेकर उनकी खिंचाई की। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन की राष्ट्रीय टीम में 12 साल बाद वापसी हुई है। पीटरसन अब इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल टीम में मेंटर की भूमिका निभाएंगे। हालांकि, उनकी इस नई जिम्मेदारी के ऐलान के बाद भारत के स्टार बल्लेबाज केएल राहुल ने सोशल मीडिया पर ऐसा कमेंट किया, जिसने क्रिकेट फैंस का ध्यान खींच लिया।

पीटरसन के पोस्ट पर राहुल का मजेदार कमेंट

पीटरसन और राहुल पिछले सीजन आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स में एक साथ काम कर चुके हैं। पीटरसन दिल्ली कैपिटल्स के मेंटर थे, लेकिन अब उन्होंने इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम के साथ नई जिम्मेदारी संभाल ली है। इंग्लैंड क्रिकेट ने पीटरसन की नियुक्ति को लेकर इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। इसी पोस्ट पर राहुल ने पीटरसन की टांग खींचते हुए लिखा, 'क्या पैकेज में मालदीव की छुट्टी भी शामिल है? केविन पीटरसन?' राहुल के इस कमेंट पर पीटरसन भी अपनी हंसी नहीं रोक सके और उन्होंने हंसने वाले इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी। राहुल का मालदीव वाला कमेंट आईपीएल 2025 से जुड़ा है। उस सीजन दिल्ली कैपिटल्स की टीम आईपीएल के बीच में कुछ दिनों के लिए मालदीव गई थी। उस दौरान पीटरसन भी टीम के साथ मौजूद थे। इसी वजह से इंग्लैंड के साथ पीटरसन की नई भूमिका पर राहुल ने मालदीव की छुट्टी का जिक्र करते हुए मजाक किया। इस कमेंट ने सोशल मीडिया पर क्रिकेट फैंस को खूब हंसाया। पीटरसन अब ब्रेंडन मैकुलम के नेतृत्व वाले इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल कोचिंग सेटअप का हिस्सा होंगे। वह इस महीने के अंत में श्रीलंका के खिलाफ होने वाली वाइटैलिटी आईटी20 और मेट्रो बैंक वनडे सीरीज के दौरान टीम के साथ जुड़ेंगे। इंग्लैंड के कोचिंग स्टाफ में मार्कस ट्रेस्कोथिक, टिम साउदी, जीतन पटेल और सारा टेलर भी शामिल हैं। पीटरसन सर्दियों में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल दौरों में भी टीम के साथ काम करेंगे। इसके बाद वह अगले साल गर्मियों में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान भी टीम से जुड़ेंगे।

शुभमन गिल का जन्मदिन: अंडर-19 विश्व कप से बनाई पहचान

कम उम्र में मिली कप्तानी बने भारतीय क्रिकेट का सितारा

भारतीय वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं। गिल ने कम समय में ही वैश्विक क्रिकेट में अपनी पहचान बना ली है। गिल ने 2019 में वनडे डेब्यू किया और महज छह साल बाद ही उन्हें इस टीम की कमान सौंप दी गई। भारतीय क्रिकेट के प्रमुख बल्लेबाजों में शुमार शुभमन गिल शानदार तकनीक, बेहतरीन टाइमिंग और धैर्य उनकी बल्लेबाजी के लिए पहचाने जाते हैं, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कई यादगार पारियां खेली हैं। गिल की निरंतरता और बड़े मंच पर प्रदर्शन करने की क्षमता ने उन्हें भारतीय क्रिकेट का महत्वपूर्ण सितारा बनाया है। 8 सितंबर 1999 को फाजिल्का (पंजाब) में जन्मे गिल को बचपन से ही क्रिकेट का शौक था। वह अक्सर अपनी उम्र से बड़े खिलाड़ियों के साथ खेला करते थे। साल 2014 में उन्होंने पंजाब के अंतर-जिला अंडर-16 टूर्नामेंट में 351 रन बनाए और निर्मल सिंह के साथ 587 रनों की रिकॉर्ड ओपनिंग साझेदारी करते हुए सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। उन्होंने विजय मर्चेंट ट्रॉफी के दौरान अंडर-16 स्टेट डेब्यू में नाबाद दोहरा शतक लगाया। गिल ने साल 2017 के आखिर में रणजी ट्रॉफी में पंजाब के लिए अपना प्रथम श्रेणी डेब्यू करते हुए पहले ही मैच में अर्धशतक लगाया। अगले मैच में उनके बल्ले से 129 रन निकले। शानदार प्रदर्शन की बदौलत अगले ही साल उन्हें अंडर-19 विश्व कप 2018 के लिए टीम का उपकप्तान चुना गया। अंडर-19 विश्व कप 2018 में गिल छह मुकाबलों की पांच पारियों में 124 की औसत के साथ 372 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने गए थे। उन्होंने सेमीफाइनल मैच में पाकिस्तान के खिलाफ 94 गेंदों में सात चौकों के साथ 102 रन की नाबाद पारी खेली थी। दाएं हाथ के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज शुभमन गिल टीम को तेज शुरुआत दिलाने के लिए मशहूर हुए। उन्हें आईपीएल 2018 के लिए नीलामी में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 1.8 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा था। पहले ही सीजन गिल ने 13 मुकाबलों में 33.83 की औसत के साथ 203 रन बनाए। गिल को साल 2019 में वनडे डेब्यू का मौका मिला, जिसके बाद दिसंबर 2020 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 45 और 35 रन बनाए।

गिनीज बुक में दर्ज: 100 km दौड़कर गेंद फेंकी एंड्रयू स्ट्रॉस की दिवंगत पत्नी की याद में सैम ने बनाया रिकॉर्ड

इंग्लैंड के सैम बोडोआनो ने गेंद फेंकने के लिए करीब 100 किलोमीटर का रनअप लेकर अनोखा कारनामा किया। उन्होंने 14 घंटे में लॉर्ड्स से वोकिंग तक दौड़ पूरी की और इसके बाद गेंद फेंकी। इस प्रयास से कैंसर चैरिटी के लिए 6,000 पाउंड जुटाए गए। सैम ने गिनीज बुक के लिए आवेदन भी किया है। आपने एक गेंद फेंकने के लिए सबसे लंबा रनअप किस गेंदबाज का देखा है? निश्चित तौर पर आप जिन्हें याद करेंगे, उन सभी का रनअप 30 गज के सर्किल के आसपास से शुरू होता था। लेकिन इंग्लैंड के सैम बोडोआनो ने मीटर नहीं, बल्कि 100 किलोमीटर लंबा रनअप लेकर दौड़ लगाने के बाद गेंद फेंककर विश्व रिकॉर्ड के लिए दावा ठोका है। सैम बोडोआनो ने इस अनूठे कारनामे से कैंसर चैरिटी के लिए 6,000 पाउंड (करीब 7.65 लाख रुपये) जुटाए हैं, जो 'द रूथ स्ट्रॉस फाउंडेशन' को मिलेंगे। इसकी स्थापना इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेट कप्तान एंड्रयू स्ट्रॉस ने अपनी दिवंगत पत्नी रूथ की याद में कैंसर पीड़ित मरीजों की मदद के लिए की है। 46 साल की रूथ का निधन फेफड़ों के एक दुर्लभ कैंसर से जूझने के बाद हुआ था।

14 घंटे में पूरी हुई दौड़

सैम बोडोआनो ने 29-30 अगस्त की रात लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम से अपने रनअप पर दौड़ना शुरू किया। वह क्रिकेट की सफेद ड्रेस पहने हुए थे। यहां से उन्हें करीब 100 किलोमीटर दूर स्थित सरे के वोकिंग स्थित वैली एंड क्रिकेट क्लब पहुंचकर गेंद फेंकनी थी। उन्होंने यह दौड़ करीब 14 घंटे तक दौड़ते हुए पूरी की।

गिनीज बुक में भेजा नाम

बोडोआनो ने 2024 में बने टॉम डन के 24 किलोमीटर दौड़ के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज कराने के लिए सैम ने आवेदन कर दिया है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के नियमों के अनुसार, बोडोआनो के प्रयास की अब औपचारिक सत्यापन प्रक्रिया होगी। इसके बाद ही इसे आधिकारिक तौर पर मान्यता दी जाएगी। इसमें करीब दो सप्ताह का समय लगता है।

सैम बोडोआनो ने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा, 'पूरे समय गेंद को पकड़े रहना झंझट भरा था। आश्चर्य है कि सफेद जर्सी पहनना उतना असहज नहीं था, जितना सोचा था। मैं थका हुआ हूं। नींद पूरी नहीं हुई, लेकिन यह अद्भुत उद्देश्य के लिए था।' सैम ने लिंक्डइन पर खुद को कंटेंट क्रिएटर, एंड्यूरेंस एथलीट के साथ इंग्लैंड की हॉकी प्रीमियर लीग का खिलाड़ी बताया है।

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।
आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।
– सम्पादक

R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक
निर्भय कुमार सेंगर
के लिए 'प्लैनेट न्यूज़ इंडिया' प्रेस से छपकर,
बी-9, गायत्री भवन,
विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के पास,
रामघाट रोड, अलीगढ़
(उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776@gmail.com

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300